सोने एवं चांदी
आभूषणों
के विक्रेता
माँ दुर्गा ज्वेलर्स
उचित ब्याज में गिरवी रखी जाती है
शॉप नं. 69, सी-मार्केट, सेक्टर-6, भिलाई
मो. 9424124911

सांध्य दैनिक

श्रीकंचनपथ

RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534
डाक पंजीयन क्रं.-छ.ग./ दुर्ग /94/2023-25

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

Akashdeep Complex
Supela, Bhilai
बेचना है
1st Floor
350 Sq.Ft.
Shop No.-132, 133
Contact - 9826600107
मीत ऑप्टिकल्स

वर्ष- 15 अंक - 98 | www.shreekanchanpath.com | संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल | भिलाई, शनिवार 20 जनवरी 2024 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

श्री राम जन्म भूमि मंदिर, अयोध्या

रामलला प्राण-प्रतिष्ठा समारोह

पौष शुक्ल द्वादशी, विक्रमी संवत् 2080
सोमवार, 22 जनवरी 2024, समय दोपहर 12:20 बजे

गौरवपूर्ण उपस्थिति

महन्त नृत्यगोपालदास जी महाराज
अध्यक्ष, श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र

माननीय नरेन्द्र भाई मोदी
प्रधानमंत्री, भारत सरकार

डॉ. मोहनराव भागवत
सरसंघचालक, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ

श्रीमती आनंदीबेन पटेल
राज्यपाल महोदया, उत्तर प्रदेश

योगी आदित्यनाथ जी महाराज
मुख्यमंत्री, उत्तर प्रदेश

देश के लगभग 125 परम्पराओं के सन्त-महापुरुष एवं भारत की सभी विधाओं के 2,500 श्रेष्ठ पुरुषों की उपस्थिति

अपने गाँव/ मोहल्ले/ कॉलोनी का वातावरण राममय करें

रामलला के स्वागत में मंगल गीत गायें
भारत को राममय बनायें
ऐतिहासिक क्षणों में अपने द्वारे दीप जलायें

- ★ मकर संक्रांति से 22 जनवरी तक अपने निकट के मंदिर में स्वच्छता अभियान चलायें।
- ★ 22 जनवरी को अपने निकट के मंदिर में सामूहिक राम नाम संकीर्तन करें।
- ★ प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम अपने निकटतम मंदिर में टीवी/एलईडी/स्क्रीन लगाकर सामूहिक रूप से दिखायें।
- ★ प्राण प्रतिष्ठा के बाद अपने गाँव/कॉलोनी/मोहल्ले में प्रसाद वितरित करें।
- ★ प्राण प्रतिष्ठा के दिन, सायंकाल घर की चौखट और कार्यस्थल/दुकान पर कम से कम पांच दीपक जलायें।
- ★ प्राण प्रतिष्ठा दिवस के उपरांत दर्शन हेतु अपने अनुकूल समयानुसार अयोध्या पधारें।

Regd.No.76/1683

श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र

PAN - AAZTS6197B

कैम्प कार्यालय : मन्दिर निर्माण कार्यशाला, रामघाट चौराहा, अयोध्या-224123

संपादकीय

कोचिंग पर लगाम

उनकी भूमिका हमेशा से ही विवादों में रही है, लेकिन चाहे-अनचाहे कोचिंग केंद्र हमारी शिक्षा-व्यवस्था का एक अभिन्न अंग बन गए हैं। हालत यह है कि छोटे-छोटे कस्बों में भी, जहां छात्रों के लिए बमुश्किल एक-दो कॉलेज उपलब्ध हैं, आधा दर्जन कोचिंग संस्थानों के बोर्ड नजर आ जाते हैं। यह माना जाता है कि कोचिंग संस्थानों का फलना-फूलना कहीं न कहीं हमारी शिक्षा-व्यवस्था की कमियों की ओर ही इशारा करता है। इसी बात को एक अलग तरह से भी कहा जाता है कि हमारी शिक्षा-व्यवस्था में जो कसर बची रह जाती है, उसे कोचिंग संस्थान पूरा करते हैं। स्कूल और कॉलेज बच्चों को महज पढ़ाने और उनकी परीक्षा के आयोजन का काम करते हैं, जबकि कोचिंग संस्थान उन्हें विभिन्न प्रवेश परीक्षाओं और अन्य स्पर्द्धी परीक्षाओं के लिए तैयार करते हैं। उन्हें स्कूल-कॉलेज के बाद के प्रतिस्पर्द्धा वाले संसार के लिए सघन शिक्षण और प्रशिक्षण देते हैं। उन कोचिंग संस्थानों के योगदान को कैसे भूला जा सकता है, जो कम शैक्षणिक पृष्ठभूमि वाले पिछड़े वर्गों और अल्पसंख्यकों के बच्चों को आगे बढ़ाने के लिए रास्ता तैयार करते हैं? लेकिन यह भी एक सच है कि ये कोचिंग संस्थान अक्सर गलत कारणों से चर्चा में आते रहे हैं। कोटा के कोचिंग संस्थानों में हुई आत्महत्याओं के बारे में काफी कुछ लिखा जा चुका है। पिछले कुछ समय में कई राज्यों में पर्चे लीक होने के मामले सामने आए हैं। इनमें से कुछ के तार कोचिंग संस्थानों से जुड़े पाए गए हैं। शुक्रवार को केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय ने कोचिंग संस्थानों के नियमन के लिए जो दिशा-निर्देश जारी किए, वे इसी लिहाज से महत्वपूर्ण हैं। इससे कोचिंग कारोबार पर लगाम की एक उम्मीद बंधी है। अब इन कोचिंग संस्थानों की फीस, अध्ययन-अध्यापन की समय-सीमा जैसी कई चीजें सरकार की निगरानी में रहेंगी। साथ ही इन संस्थानों में कितनी जगह होनी चाहिए, इसके लिए भी इस दिशा-निर्देश में प्रावधान रखे गए हैं। सबसे बड़ी चीज यह है कि सरकार ने कोचिंग संस्थान में दाखिले के लिए एक न्यूनतम उम्र भी तय कर दी है। अब 16 साल से कम उम्र के बच्चों को कोचिंग संस्थानों में दाखिला नहीं दिया जा सकेगा। बहुत छोटे बच्चों के कोचिंग कारोबार का जो सिलसिला इन दिनों शुरू होता दिख रहा है, उम्मीद है कि अब उस पर लगाम लग सकेगी। कोचिंग संस्थानों के लिए इस तरह के नियमन की जरूरत काफी समय से महसूस की जा रही थी। एक तरह से इसमें देरी ही की गई है। ये दिशा-निर्देश उस समय आए हैं, जब ऑनलाइन कोचिंग का चलन तेजी से बढ़ रहा है और यह उम्मीद व्यक्त की जा रही है कि परंपरागत कोचिंग संस्थान जल्द ही बीते दिनों की बात बनकर रह जाएंगे। फिर भी ये दिशा-निर्देश स्वागत-योग्य हैं। अभी जो स्थितियां हैं, उनमें कोचिंग संस्थान देश के मध्यवर्ग की एक बहुत बड़ी जरूरत बन गए हैं। लेकिन हमें यह भी नहीं भूलना चाहिए कि देश की शिक्षा-व्यवस्था की रीढ़ हमारे परंपरागत स्कूल-कॉलेज ही हैं। कोचिंग संस्थानों के फलने-फूलने का एक बड़ा कारण इस व्यवस्था की खामियां भी हैं। हमारी पहली प्राथमिकता मूल शिक्षा-व्यवस्था को मजबूत करने की ही होनी चाहिए। इन दिशा-निर्देशों के ठीक दो दिन पहले ही 'असर' की रिपोर्ट आई है, जो बताती है कि निचले स्तर पर स्कूली शिक्षा में बहुत सुधार नहीं हुआ है।

> बहुत छोटे बच्चों के कोचिंग कारोबार का जो सिलसिला इन दिनों शुरू होता दिख रहा है, उम्मीद है कि अब उस पर लगाम लग सकेगी। कोचिंग संस्थानों के लिए इस तरह के नियमन की जरूरत काफी समय से महसूस की जा रही थी।

कुख्यात ट्रंपः अमेरिका की पहली पसंद!

हम लाख मखौल उड़ाएं लेकिन अमेरिका की पहली पसंद तो डोनाल्ड ट्रंप हैं। हाल फिलहाल के लिए, कम से कम यह तो मानना ही हैं कि वे अमेरिका के रिपब्लिकनों की पहली पसंद हैं। सोमवार की रात डोनाल्ड ट्रंप ने इस साल होने वाले राष्ट्रपति चुनाव का पहला मुकाबला जीता। रिपब्लिकन पार्टी का उम्मीदवार बनने के इच्छुक अन्य नेताओं को उन्होंने बहुत आसानी से हरा दिया। इस पूर्व राष्ट्रपति के उपासक इतने हैं कि कोई और उनके मुकाबले में ठहर ही नहीं पाया। वे डिबेट्स से गायब रहे और रिपब्लिकन समर्थकों के सामने उनके विकल्पों का ढेर था। बावजूद इसके ट्रंप फिर भी पहली पसंद! आयोवा कॉकस में उनकी धमाकेदार जीत से साफ है कि वे लोगों को बहुत ज्यादा भा रहे हैं।

पिछले आठ सालों से ट्रंप के अपने समर्थकों से जो रिश्ते हैं, उनकी कोई सानी नहीं है। वे अपने समर्थकों को सही बताते हैं, उनका मनोरंजन करते हैं, उनके लिए खड़े होते हैं और अपने राजनैतिक और कानूनी लाभ के लिए उनका इस्तेमाल भी करते हैं। समर्थक इस सबसे खुश हैं, बहुत खुश हैं। और यही कारण है कि चार आपराधिक प्रकरणों में 91 अपराधों का आरोपी होने के बावजूद ट्रंप समर्थकों की पहली पसंद हैं। उन्हे रिपब्लिकन पार्टी में चुनौती देने वाला कोई नजर नहीं आता। उन्होंने साबित कर दिया है कि वे लम्बी रेस का घोड़ा हैं।

राष्ट्रपति चुनाव के सिलसिले में रिपब्लिकन पार्टी पर ट्रंप जिस तरह छाए हुए हैं, उसे देखकर यह विश्वास ही नहीं होता कि उनके अभियान की शुरूआत में उनकी स्थिति किस कदर कमजोर थी। मिडटर्म (सन 2022) में हुए चुनावों में ट्रंप-समर्थित उम्मीदवारों की हार के बाद कई रिपब्लिकनों को लगने लगा था कि अमेरिका की जनता का ट्रंप से जी भर गया है। अपने चुनाव अभियान की शुरुआत करते हुए मारलागो में ट्रंप ने जो भाषण दिया था उसमें न जोश था और न तीखापन। इससे भी ऐसा लगा कि मानों उनका सूरज अस्ताचल की ओर जा रहा है।

मगर आज 15 महीने बाद, ट्रंप फिर सबसे ऊपर हैं और यदि किसी की रिपब्लिकन पार्टी का उम्मीदवार बनने की सबसे ज्यादा सम्भावना है तो वे ट्रंप ही हैं। उन्हें कुछ नहीं रोक पाया आपराधिक-अदालतदी मामले तो बिल्कुल ही नहीं। बल्कि वे अपने समर्थकों को यकीन दिलाने में सफल हैं कि वे गलत हो ही नहीं सकते, वे कभी हार ही नहीं सकते। उनके आकर्षण की चकाचौंध में उनके दोष नजर ही नहीं आ रहे है। उनके पक्के समर्थक रैलीयों में उनकी जय-जयकार कर रहे हैं और जमीनी स्तर पर उनके लिए काम में जुटे हैं। ट्रंप के कानूनी झमेले समर्थकों के लिए अहमियत नहीं रखते। अपने प्रचार में ट्रंप की भाषा और कड़क होती जा रही है। उन्होंने साफ कर दिया है कि वे अपनी दूसरी पारी में अपने राजनैतिक विरोधियों को मजा चखाएंगे। चुनावों पर हिंसा का खतरा मंडरा रहा है और अधिकारियों व जजों को निशाना बनाए जाने की घटनाएं बढ़ रही हैं। फाइवथर्टीएट नामक वेबसाइट, जो चुनाव सर्वेक्षणों का विश्लेषण करती है, के अनुसार अमेरिकी रिपब्लिकनों में से 63 फीसदी ट्रंप के साथ हैं। यहां तक कि 2020 में जो बाइडन की स्थिति से ट्रंप की आज की स्थिति बेहतर है।

यद्यपि आयोवा में ट्रंप की जीत निर्णायक थी मगर यह भी साफ हुआ है कि सत्ता में उनकी वापसी को लेकर पार्टी विभाजित है। आयोवा के करीब आधे रिपब्लिकनों ने ट्रंप के किसी न किसी प्रतिद्वंदी को वोट दिया। करीब 20 प्रतिशत ने रॉन डेसेंटिस का समर्थन किया, जो दूसरे नंबर पर रहे। उनके ठीक पीछे निक्की हैली थी। एंट्रेंस पोल्स (एग्जिट पोल्स की तरह, मगर जिसमें मतदाता से मतदान केंद्र में घुसने से पूर्व पूछा जाता है कि वो किसे अपना मत देगा), जिन रिपब्लिकनों ने ट्रंप का विरोध किया उनमें गर्भपात का अधिकार देने के विरोधी रूढ़ीवादी तत्व शामिल थे। उन्होंने डेसेंटिस का साथ दिया। डेसेंटिस और हैली दोनों की यही कोशिश है कि ट्रंप पर सीधे हमले करने की बजाय, ट्रंप के उनके समर्थकों के साथ रिश्ते कमजोर किये जाएं। मगर ट्रंप का विकल्प बनने की दौड़ में शामिल होने और उसमें जीत हासिल करने के लिए समय बहुत कम बचा है। अन्य उम्मीदवारों को जो भी करना है, वो जल्द से जल्द करना होगा। अब फोकस न्यू हैम्पशायर पर है जहां रिपब्लिकन उम्मीदवार के चयन का अगला प्राइमरी मुकाबला होना है।

> मगर इसके लिए सबसे पहले भ्रष्टाचार पर लगाम लगाना जरूरी है। यह देखना होगा कि इस योजना का कोई बेजा लाभ न उठा पाए, यानी, जो इसका हकदार नहीं है, वह भी इसका हिस्सा न बन जाए। लिहाजा, शासकीय निगरानी एक बड़ा मसला रहेगा। इसे राज्य सरकार को ही राजनीतिक रूप से हल करना होगा। अगर 94 लाख परिवारों में से एक चौथाई को भी अगले पांच साल में मदद मिल गई, तो बड़ी बात होगी।

एक बड़ी लकीर खींचने वाली योजना

अरुण कुमार, वरिष्ठ अर्थशास्त्री

जातिगत सर्वेक्षण में चिह्नित किए गए 94 लाख से अधिक गरीब परिवारों को दो-दो लाख रुपये अनुदान देने की बिहार सरकार की नई पहल के गहरे सामाजिक-आर्थिक निहितार्थ हैं। यह आर्थिक मदद उन गरीब परिवारों को छोटे-मोटे काम शुरू करने के लिए दी जाएगी, जिनकी मासिक आमदनी 6,000 रुपये से कम है। ये काम खाद्य प्रसंस्करण, निर्माण-कार्य, ग्रामीण इंजीनियरिंग, कपड़ा उद्योग जैसे तमाम सूक्ष्म एवं लघु उद्योगों से जुड़े हो सकते है। हाथ में नकद देने के बजाय काम-धंधा शुरू करने के लिए धन देने की सोच ज्यादा अच्छी है। हमारा माइक्रो सेक्टर नोटबंदी की मार से अभी भी पूरी तरह से उबरा नहीं है, इसे देखते हुए यह योजना एक नई उम्मीद पैदा करती है। इससे राज्य की अर्थव्यवस्था में तेजी आएगी। चूंकि लघु एवं सूक्ष्म उद्योग ही हमारे देश में सर्वाधिक रोजगार पैदा करते हैं, इसलिए स्वाभाविक है कि बेरोजगारी कम होने से गरीबी में भी कमी आ सकती है।

फिलहाल 94,33,312 गरीब परिवारों को इस योजना का लाभ देने का एलान किया गया है, लेकिन शुरुआत पांच लाख परिवारों से ही हो सकती है। इसका एक बड़ा कारण संसाधन का अभाव है। फिर एक तर्कयह भी है कि सभी 94 लाख परिवार शायद ही तत्काल कारोबार शुरू करेंगे, क्योंकि इस योजना का लाभ लेने के लिए पहले प्रोजेक्ट जमा करना होगा, और उसकी स्वीकृति मिलने के बाद ही धनराशि जारी की जाएगी। यह अनुदान-राशि कुल पांच वर्षों में तीन किस्तों में (25 प्रतिशत, 50 प्रतिशत और 25 प्रतिशत) में दी जाएगी। इसीलिए अभी इस योजना की शुरुआत होगी, बाद में लाभार्थियों के रुझान को देखकर इसका विस्तार किया जाएगा।

अगर यह योजना सही ढंग से चली, तो जमीन पर इसका व्यापक असर दिख सकता है। अभी देश में रोजगार कम है, लिहाजा एक कामकाजी इंसान को 4.5 व्यक्ति का भरण-पोषण करना पड़ता है। यदि लोगों को काम मिलने लगे, तो यह आंकड़ा घटकर 2.5 हो सकता है। इस योजना में भी यह क्षमता है। माइक्रो सेक्टर में रोजगार के अवसर बढ़ने से लोगों की क्रय-क्षमता बढ़ेगी और वे सर्वप्रथम खाने-पीने की वस्तुएं ज्यादा खरीदेंगे। राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण के आंकड़े बताते हैं कि देश भर में 30 फीसदी महिलाएं और बच्चे कुपोषण के शिकार हैं। ऐसा इसलिए है, क्योंकि उनकी क्रय-क्षमता काफी कम है। अगर गरीब तबकों में पैसे आएंगे, तो वे अपने ऊपर खर्च करेंगे, जिससे खेती-किसानी को भी लाभ मिलेगा। इससे किसानों की यह शिकायत भी खत्म हो सकती है कि उन्हें बाजार में उनकी फसल के वाजिब दाम नहीं मिलते। किसानों की आमदनी बढ़ने से संगठित क्षेत्र में भी मांग बढ़ेगी, और तब यह योजना कहीं अधिक निखरकर सामने आ सकेगी। वास्तव में, बिहार की यह पहल महात्मा गांधी के उस सपने को साकार करती है, जिसमें उन्होंने वंचितों को मुख्यधारा में लाने की बात कही थी। यह योजना 'बॉटम अप अप्रोच' (नीचे से शुरू होकर विकास का ऊपर की ओर बढ़ना) की हिमायती है, और अगर यह सही लोगों के हाथों तक पहुंची, तो इसका सकारात्मक असर ही दिखेगा।

मगर इसके लिए सबसे पहले भ्रष्टाचार पर लगाम लगाना जरूरी है। यह देखना होगा कि इस योजना का कोई बेजा लाभ न उठा पाए, यानी, जो इसका हकदार नहीं है, वह भी इसका हिस्सा न बन जाए। लिहाजा, शासकीय निगरानी एक बड़ा मसला रहेगा। इसे राज्य सरकार को ही राजनीतिक रूप से हल करना होगा। अगर 94 लाख परिवारों में से एक चौथाई को भी अगले पांच साल में मदद मिल गई, तो बड़ी बात होगी। इसके साथ ही, सरकार को इसके लिए पर्याप्त संसाधन भी जुटाने होंगे। बिहार के बजट में हर साल यह तो बताया जाता है कि राज्य को अतिरिक्त राजस्व मिलने जा रहा है, लेकिन अंत में घाटा ही दिखता है। बिहार सरकार पर कर्ज करीब-करीब उतना ही है, जितना उसका बजट है। इसके कारण उसे बड़ी मात्रा में ब्याज भी चुकाने होते हैं। इसका अर्थ है कि उसके अपने संसाधन उतनी तेजी से नहीं बढ़ रहे हैं, जितनी तेजी से बढ़ने चाहिए। ऐसे में, 94 लाख परिवारों के लिए दो-दो लाख रुपये का इंतजाम कैसे होगा? यही वजह है कि मैंने शुरुआत में पांच लाख परिवारों तक ही इस योजना के पहुंचने का अनुमान लगाया है। इसके लिए उसे ढाई-तीन हजार करोड़ रुपये ही जुटाने होंगे, जो राज्य के बजट का बमुश्किल एक फीसदी हिस्सा है। राज्य सरकार चाहे, तो सख्त आर्थिक अनुशासन से यह राशि जमा कर सकती है। यदि वह इसमें सफल नहीं रही, तब भी इस साल तो उसे दिक्कत नहीं होगी, लेकिन अगले वर्षों में पैसे जुटाना भारी पड़ सकता है। फिर भी, बिहार सरकार को यह दांव खेलना चाहिए, क्योंकि यदि यह योजना सफल होती है और लोगों की आमदनी बढ़ती है या राज्य में उद्योग पनपते हैं, तो परोक्ष रूप से टैक्स के माध्यम से सरकार की भी आमदनी बढ़ेगी। हां, शुरू में उसे घाटा हो सकता है और राज्य जीडीपी की 3.5 फीसदी घाटा की सीमा भी उसके लिए दिक्कत खड़ी कर सकती है।

यह योजना केंद्र व राज्यों की अन्य तमाम योजनाओं से इसलिए अलहदा है, क्योंकि इसमें काम करने के लिए पैसे दिए जा रहे हैं। यह कोई कर्ज नहीं है, बल्कि अनुदान है, जिसे लाभार्थियों को वापस लौटाना नहीं होगा। ऐसी योजना पहले नहीं दिखी है। हालांकि, सवाल यह भी है कि आजादी के साढ़े सात दशकों के बाद भी इतनी गरीबी क्यों है? बिहार में ही जातिगत सर्वेक्षण यदि 94 लाख से अधिक परिवारों को गरीब बता रहा है, तो यह कहीं-न-कहीं राज्य की नीतिगत चूक का नतीजा है। अच्छी बात है कि पहली बार 'टॉप डाउन अप्रोच' (विकास का ऊपर से रिसकर नीचे की ओर जाना) से बाहर निकलने का प्रयास किया गया है। चूंकि सामाजिक जरूरतों के हिसाब से गरीबी की पुरानी परिभाषा व्यावहारिक नहीं होती, जैसे साक्षरता की परिभाषा भी अब सिर्फ हस्ताक्षर करने तक सीमित नहीं रह सकती, बल्कि व्यक्ति के पास तकनीकी जानकारी भी आवश्यक है, इसीलिए गरीबों की बेहतरी के लिए नए नजरिये के साथ योजनाएं बनाना आवश्यक है। यह योजना इसी नए दृष्टिकोण की वकालत करती है, जिससे बिहार और यहां के लोगों को दीर्घकालिक लाभ हो सकता है।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

राम के प्रति निश्छल श्रद्धा ने जब रावण की लाज बचाई

अजहर हाशमी, साहित्यकार व शिक्षाविद्

शस्त्र और शास्त्र की शक्ति से मर्यादा पुरुषोत्तम राम प्रभावित नहीं होते, किंतु श्रद्धा की शक्ति से वह न केवल प्रभावित होते हैं, अपितु अभिभूत और वशीभूत भी हो जाते हैं। शर्त यह है कि श्रद्धा निश्छल हो। निश्छल श्रद्धा उनका निवास स्थल है। निश्छल श्रद्धा सात्विक संस्कार की संतति है। संस्कार का मन से, मन का भावना से, भावना का श्रद्धा से गहरा संबंध है। संस्कार सात्विक होते हैं, तो मन निर्विकार होता है। मन निर्विकार होता है, तो भावना निर्मल होती है। भावना निर्मल होती है, तो श्रद्धा निश्छल होती है। श्रद्धा निश्छल होती है, तो श्रीराम के दर्शन होते हैं। केवट की निश्छल श्रद्धा से अभिभूत होकर राम उसकी मुक्ति कर देते हैं। शबरी की श्रद्धा के वशीभूत होकर ही वह प्रेम से उसके जूठे बेर खाते हैं। निश्छल श्रद्धा वह वशीकरण मंत्र है, जिससे राम मुग्ध होते हैं। शस्त्र-शक्ति और शास्त्र-शक्ति में तो रावण भी निष्णात था। असीमित शस्त्र-शक्ति और अनंत शास्त्र-ज्ञान के बावजूद रावण, राम को परास्त नहीं कर सका। किंतु एक प्रसंग ऐसा आता है (लोककथाओं में यह सुनने को मिलता है) कि जब रावण राम के प्रति निश्छल श्रद्धा प्रकट करता है, तो उसकी प्रतिष्ठा की रक्षा हो जाती है। प्रसंग समुद्र पर पुल बनाने का है, जब नल-नील द्वारा राम नाम लेकर समुद्र में छोड़े गए पत्थर तैरने लगते थे। इन तैरते पत्थरों के पुल से ही राम समुद्र पार कर सके। पानी में तैरते पत्थरों का किस्सा जब रावण ने सुना, तो उसको आश्चर्य हुआ। उसकी पत्नी मंदोदरी ने रावण से कहा कि जिन 'श्रीराम के नाम में इतनी शक्ति है कि उनका नाम मात्र लेने से पत्थर पानी में डूबते नहीं, तो उन श्रीराम में साक्षात् कितनी शक्ति होगी?'

इस कथन से रावण के अहंकार को

चोट पहुंची। अहंकारी दंभोक्तियां करता रहता है, इसलिए रावण ने भी कहा, 'इसमें कौन सी बड़ी बात है? ऐसे पत्थर तो मेरे कहने पर भी पानी में तैरने लग जाएंगे।' इस पर मंदोदरी ने रावण से पत्थरों को पानी में तैराने को कहा। रावण ने पत्थर को अपने हाथ में लेकर पानी में छोड़ा, तो पत्थर डूब गया। उसने दूसरा पत्थर छोड़ा, वह भी डूब गया। तब रावण ने तीसरा पत्थर हाथ में लेकर उसे कुछ देर के लिए अपने मुंह से लगाया और फिर पानी में छोड़ा, तो पत्थर तैरने लग गया। मंदोदरी के आश्चर्य का ठिकाना न था। वह पूरी एकाग्रता से देख रही थी कि रावण पत्थर उठाता है, उनको अपने मुंह के पास ले जाता है और फिर पानी में छोड़ता है, तो पत्थर तैरने लगता है। इस प्रकार मुंह से लगाकर पानी में छोड़े गए सारे पत्थर तैरने लग गए। मंदोदरी असहज हो गई, क्योंकि उसे रंचमात्र भी यह विश्वास नहीं था कि लंकाधिपति द्वारा छोड़े गए पत्थर भी पानी में तैरने लग जाएंगे। दरअसल, रावण की सभी शक्तियों का मंदोदरी को पता था। इसलिए वह जानती थी कि रावण के पास ऐसी कोई शक्ति नहीं है। इसलिए कुछ समय पश्चात उसने एकांत में रावण से पूछा, 'पहले तो आपके द्वारा छोड़े गए पत्थर पानी में डूब गए, किंतु जब आपने उनको मुंह के पास ले जाकर कुछ देर बाद पानी में छोड़ना शुरू किया, तो वे सब के सब पत्थर तैरने लगे। मैं अच्छी तरह जानती हूं कि आपके पास ऐसी कोई शक्ति नहीं, फिर वह कौन सा मंत्र था कि जिसे आपने पत्थरों पर पढ़ा और फिर वे तैरने लगे?'

रावण पहले तो टालता रहा, किंतु मंदोदरी के बार-बार पूछे जाने पर उसने उत्तर दिया, 'मैंने पत्थरों को अपने मुंह के पास लाकर बड़ी श्रद्धा से जय श्रीराम कहते हुए उनसे कहा, तुम्हें राम की सौगंध है। अब पानी में तैरकर मेरी प्रतिष्ठा बचा लो। श्रीराम के प्रति तत्क्षण उपजी मेरी श्रद्धा के कारण ही वे पत्थर पानी पर तैरने लगे।' यह प्रसंग बताता है कि श्रद्धा से ही प्रभु को प्रसन्न किया जा सकता है। निश्छल श्रद्धा से की गई प्रार्थना श्रीराम के यहां कभी अस्वीकृत नहीं होती। राम व्यक्ति को नहीं, भक्ति को देखते हैं। भक्ति में भी भावना को देखते हैं। भावना में भी श्रद्धा को देखते हैं। श्रद्धा में भी निश्छलता को देखते हैं। निश्छल श्रद्धा अंत:करण की अनुगूंज है, और अंत:करण की अनुगूंज में राम रमते हैं।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

विरोध-प्रतिरोध से सांस्कृतिक विरासत तक

शंभूनाथ शुक्ल

हरियाणा में कांग्रेस के कद्दावर नेता और राज्यसभा सदस्य दीपेन्द्र हुड्डा सोमवार 15 जनवरी को अचानक अयोध्या पहुंच गए। वहां उन्होंने सरयू नदी में स्नान किया और रामलला के दर्शन किए। उनके साथ पार्टी की उत्तर प्रदेश इकाई के अध्यक्ष अजय राय और कांग्रेस की केंद्रीय कमेटी की तरफ़से नियुक्त उत्तर प्रदेश प्रभारी अविनाश पांडेय ने भी सरयू स्नान कर रामलला के दर्शन किए। बाद में प्रवक्ता सुप्रिया श्रीनेत भी वहां पहुंचीं। हुड्डा ने कहा, भगवान राम उनकी आस्था के प्रतीक हैं और वे प्रदर्शन नहीं करते। हालांकि उन्होंने सोशल मीडिया की साइट एक्स में अपनी स्नान की तस्वीर भी डाली। दीपेन्द्र हुड्डा के अयोध्या जाकर रामलला के दर्शन करने से यह बात स्पष्ट हो गई है, कि भले कांग्रेस ने 22 जनवरी का आमंत्रण ठुकराया हो लेकिन पार्टी के भीतर भी कशमकश चल रही है। हिंदी प्रदेशों में रामलला की प्राण-प्रतिष्ठा के उत्सव से लोगों में इस क़दर जोश उमड़ा है, कि उसकी अनदेखी किसी के वश की बात नहीं।

22 जनवरी को अयोध्या में बन रहे राम मंदिर के गर्भगृह में रामलला की मूर्ति की प्राण-प्रतिष्ठा का समारोह आयोजित है। यह एक ऐतिहासिक क्षण होगा। क़रीब 500 वर्ष बाद मर्यादा पुरुषोत्तम और हिंदू लोकमानस के भगवान राम उस जगह पर पुनः बिराजेंगे, जहां उनका जन्म हुआ था। 1527 ईस्वी में अयोध्या में रामलला के जन्म स्थान मंदिर को तोड़कर बाबर के सेनापति मीर बकी ने मस्जिद का निर्माण कराया था। यह मंदिर उसने बाबर के कहने पर तोड़ा था, और इस आशय का एक पत्थर भी वहां लगवा दिया था, इस वजह से इसे बाबरी मस्जिद कहा जाता था। इसके बाद से लगातार इस स्थान पर मंदिर बनवाने के लिए राम भक्तों का आग्रह रहा। पिछले 500 वर्षों में अनगिनत साधु-संत और रामभक्त यहां मारे गए। किंतु राम भक्तों का यह संघर्ष कभी बंद नहीं हुआ।

इस मंदिर को मुक्त करवाने के लिए विश्व हिंदू परिषद का योगदान सिर्फ यह रहा, कि उसने इस संघर्ष को सांगठनिक रूप दिया। उसने छिटपुट संघर्ष करने वाले राम भक्तों के लिए मंच तैयार किया और भाजपा ने देशव्यापी बनाकर इसे राजनीतिक स्वरूप प्रदान किया। हालांकि, बीच-बीच में यह आंदोलन हिंसक भी हुआ, और राम भक्तों पर गोलियां भी चलीं। कई रामभक्त मारे भी गये। लेकिन सत्ता द्वारा गोलियां बरसाने के चलते आंदोलन और तीव्र हुआ। अंततः राम मंदिर कार सेवकों के ग़ुस्से के चलते 6 दिसंबर, 1992 को विवादित ढांचा ध्वस्त हो गया। इस पूरे घटनाक्रम के दौरान सभी राजनीतिक दलों ने चुप्पी साधी।

राम मंदिर पर सुप्रीम फैसला आ जाने के बाद से यहां राम मंदिर निर्माण की प्रक्रिया शुरू हुई और अंततः 22 जनवरी को मूर्ति की प्राण-प्रतिष्ठा का कार्यक्रम तय हुआ है। इस दिन के लिए हज़ारों निमंत्रण पत्र बांटे गये हैं। निमंत्रण बांटने का जिम्मा राम मंदिर तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट ने लिया। मंदिर के इस प्राण-प्रतिष्ठा समारोह में राजनीतिक दलों के नेता तथा तमाम फिल्मी कलाकारों को न्योता देने से विवाद बढ़ा है। समारोह में वे तमाम लोग नहीं बुलाये गये जो राम मंदिर आंदोलन में जेल गये और बलिदान हुए। हालांकि जब पूरा देश राममय हो उठा हो तो वे सारे लोग मुंह से राम-राम जपने लगे हैं, जो कल तक राम मंदिर आंदोलन को कार सेवकों का उन्माद बता रहे थे।

बहुत सारे साधु-संत भी इस प्राण-प्रतिष्ठा का विरोध कर रहे हैं। इसका कारण एक तो उनको इसमें अपनी उपेक्षा प्रतीत हो रही है, दूसरे वे इस प्राण-प्रतिष्ठा की पद्धति से नाखुश हैं। राम मंदिर के लिए राजनीतिक आंदोलन शुरू करने वाले लालकृष्ण आडवाणी और उसकी ध्वजा थामने वाले मुरली मनोहर जोशी को निमंत्रण तो ट्रस्ट की तरफ़से गया है। लेकिन उन्हें सलाह भी दी गई है, कि ठंड की वज़ह से ये नेता न पधारें। ऐसे कई कारण हैं, जिनसे विवाद पैदा हो गया है। हर नेता और हर साधु के अपने-अपने 'ईगो' हैं। लेकिन हर एक को इंतज़ार था, कि कांग्रेस इस पर क्या प्रतिक्रिया देती है? क्या सोनिया गांधी इस समारोह में आएंगी अथवा नहीं। यह जानी-मानी बात है, कि अयोध्या में राम मंदिर का ताला खुलवाने की पहल तत्काल प्रधानमंत्री राजीव गांधी ने की थी। लेकिन जब कांग्रेस को न्योता देने विश्व हिंदू परिषद के अध्यक्ष गए, तब न्योता तो स्वीकार कर लिया गया परंतु जयराम रमेश ने कहा है, कि कांग्रेस इस मंदिर के प्राण-प्रतिष्ठा समारोह में नहीं जाएगी, तब से कांग्रेस में बेचैनी भी खूब पनपी है।

7-8 अप्रैल, 1984 को दिल्ली स्थित विज्ञान भवन में संतों ने एक धर्म संसद आयोजित की। इस धर्म संसद में प्रमुख वक्ता डॉ. कर्ण सिंह थे, जो कांग्रेस के प्रमुख नेता थे और उस समय केंद्र में इंदिरा गांधी की सरकार थी। एक फरवरी, 1986 को बाबरी मस्जिद में क़ैद रामलला मंदिर का ताला खुला, यह बहुत बड़ी घटना थी। उस समय केंद्र में राजीव गांधी की और उत्तर प्रदेश में वीर बहादुर सिंह की सरकार थी। सबने इस पर मौन साधा। क्योंकि यह हर एक को पता था, कि यह पहल प्रधानमंत्री राजीव गांधी के इशारे पर हुई थी। फैजाबाद के जिला जज केएम पांडेय ने ताला खोलने का आदेश दिया था। मालूम हो कि यह ताला वहां 1949 से लगा था। यही नहीं, अयोध्या में राम मंदिर जन्म स्थान पर शिलान्यास 9 नवंबर, 1989 को उत्तर प्रदेश के तत्कालीन मुख्यमंत्री नारायण दत्त तिवारी और प्रधानमंत्री राजीव गांधी की सहमति से किया गया था।

इसके बाद से राम मंदिर आंदोलन पूर्णतया राजनीतिक हो गया और हर राजनीतिक पार्टी इसमें अपने-अपने फायदे ढूंढ़ने लगी। 25 सितंबर, 1990 को भाजपा नेता लालकृष्ण आडवाणी ने सोमनाथ से अयोध्या के लिए रथयात्रा शुरू की थी। इसे 23 अक्टूबर को बिहार के मुख्यमंत्री लालू यादव के आदेश पर समस्तीपुर में रोक लिया गया और लालकृष्ण आडवाणी को गिरफ्तार कर लिया। भाजपा ने केंद्र की विश्वनाथ प्रताप सिंह सरकार से समर्थन वापस ले लिया। सरकार अल्पमत में आ गई।

स्टेशन रोड, इंदिरा मार्केट, दुर्ग के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करेः-
9827806026,
7869620239

Sargam
Musicals
Deals in All Kinds of Musical Instrument Sales & Repair
DURG:- Near Tarun Adlabs Station Road, Durg (C.G.) Durg, Ph. 2330588, 9826660688
RAIPUR:- Near Manju Mamta Reaustaurant, M.G. Road Raipur. Ph. 4013288, 9303876196

गंजेपन से मुक्ति मात्र 1 घंटे में
COMPLETE FAMILY SALON
हेयर रिप्लेसमेंट, 100% संतुष्टि की गारंटी
पहले बाद में
JITU'Z
CUT N SHINE
93009-11331
रंगोली बेंगल्स के सामने, जयसवाल इलेक्ट्रानिक के बाजू में इंदिरा मार्केट, स्टेशन रोड, दुर्ग (छ.ग.)

श्रीकंचनपथ

छत्तीसगढ़

इनकम TAX
ITR फाईल
बनवायें मात्र 500/- में
TDS, GST, TAX Expert
सम्पर्क- शेखर गुप्ता
9300755544

डॉक्टर को लोग भगवान मानते हैं, इसलिए मरीजों के साथ जनता का विश्वास बना रहेः स्वास्थ्य मंत्री

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण एवं चिकित्सा शिक्षा मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने कोरबा जिले के प्रवास के दौरान स्वर्गीय बिसाहू दास महंत स्मृति चिकित्सा महाविद्यालय व संबद्ध जिला अस्पताल का निरीक्षण किया। उन्होंने अस्पताल में स्वच्छता बनाए रखने के निर्देश देते हुए कहा कि मरीजों को समय पर उपचार के साथ उचित व्यवहार मिले और उन्हें अस्पताल में गुणवत्ता मूलक भोजन उपलब्ध हो।

स्वास्थ्य मंत्री ने मेडिकल कॉलेज में बैठक लेते हुए स्वास्थ्य विभाग के चिकित्सकों से कहा कि लोग डॉक्टर को भगवान मानते हैं।

कुछ समय से डॉक्टरों के प्रति लोगों की सोच बदल रही है, इसलिए चिकित्सकों को चाहिए कि वे मरीजों और आम जनता में अपने विश्वास को बनाए रखें, डॉक्टरों की मरीजों के प्रति जो सेवा भावना होनी चाहिए, वह भी बरकरार रहे। मंत्री श्री जायसवाल ने कहा कि निजी अस्पतालों की अपेक्षा सरकारी अस्पतालों में चिकित्सक, स्टाफ तथा सुविधाएं पर्याप्त होती हैं, ऐसे में कोई मरीज सरकारी अस्पताल में इलाज कराने की अपेक्षा प्राइवेट अस्पताल की ओर रूख करे, यह अच्छी बात नहीं है। उन्होंने जिले में स्वास्थ्य सुविधाओं को बेहतर बनाने की दिशा में काम करते हुए आवश्यकताओं की जानकारी ली और कमियों को पूरा करने की बात कही।

स्वास्थ्य मंत्री श्री जायसवाल ने जिला अस्पताल में निरीक्षण के दौरान निर्देशित किया कि बाहर से उपचार के लिए आने वाले मरीजों को अनावश्यक इधर-उधर भटकना न पड़े। यहां मरीजों को टोकन उपलब्ध कराने के साथ ही डिस्प्ले के माध्यम से उनके क्रम की जानकारी भी उपलब्ध कराई जाए। स्वास्थ्य मंत्री ने अस्पताल में साफ-सफाई रखने के निर्देश देते हुए पेयजल की व्यवस्था भी सुनिश्चित करने कहा। उन्होंने आपातकालीन कक्ष, बर्न यूनिट, डायलिसिस कक्ष, मनोरोग उपचार कक्ष, सोनोग्राफी कक्ष, प्रसूति कक्ष का अवलोकन किया। महिला वार्ड में निरीक्षण के दौरान उन्होंने मौके पर उपस्थित चिकित्सकों और नर्स को बेहतर उपचार करने के निर्देश देते हुए उनसे चर्चा भी की। अस्पताल में स्वास्थ्य मंत्री ने बाहर से आए मरीजों से भी चर्चा कर उपचार व्यवस्था की जानकारी ली।

मरीजों के साथ हो बेहतर व्यवहार

मेडिकल कॉलेज में चिकित्सकों और अधिकारियों की बैठक में स्वास्थ्य मंत्री ने निर्देशित किया कि अस्पताल में मरीजों के साथ किसी प्रकार की अभद्रता व अनुचित व्यवहार न हो, उन्हें समय पर आवश्यक उपचार मिले, अस्पताल में मरीजों को दिया जाने वाला भोजन भी गुणवत्ता युक्त हो। साफ-सफाई व्यवस्था बेहतर होने के साथ ही किसी प्रकार की गंदगी न हो। अस्पताल में मशीन खराब होने पर उच्च स्तर पर इसकी सूचना उपलब्ध कराने के निर्देश भी उन्होंने दिए। बैठक में मेडिकल कॉलेज के अधिकारियों द्वारा अस्पताल और मेडिकल कॉलेज संचालन की गतिविधियों को विस्तार से बताया गया। मरीजों के लिए सिटी स्कैन, एमआरआई तथा अन्य आवश्यकताओं की जानकारी दी गई।

मंत्री श्री जायसवाल ने कम से कम दर पर सिटी स्कैन की व्यवस्था हो सके इस दिशा में कार्य करने के निर्देश अधिकारियों को दिए। उन्होंने सोनोग्राफी, डायलिसिस के संबंध में आवश्यक निर्देश दिए। मंत्री श्री जायसवाल ने आने वाले दिनों में स्वास्थ्य सुविधा और बेहतर बनाने उच्च स्तर पर बैठक आयोजित करने और आवश्यकताओं की पूर्ति करते हुए समस्याओं का निराकरण करने की बात कही। बैठक में मेडिकल कॉलेज के डीन डॉ. अविनाश मेश्राम, सीएमएचओ डॉ. एस.एन. केशरी, अधीक्षक डॉ. गोपाल कंवर आदि उपस्थित थे।

खेलों में समर्पण, जोश और जुनून से मिलती है सफलताः खेल मंत्री

राज्य स्तरीय कबड्डी चौंपियनशीप का किया शुभारंभ

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राजस्व मंत्री टंक राम वर्मा ने बालोद में आयोजित राज्य स्तरीय कबड्डी चौंपियनशीप प्रतियोगिता के शुभारंभ करते हुए कहा कि खेल के क्षेत्र में उपलब्धि हासिल करने के लिए दृढ़ ईच्छा शक्ति एवं लक्ष्य प्राप्ति के प्रति समर्पण होना जरूरी है। इसके साथ-साथ जोश और जुनून भी आवश्यक है। उन्होंने कहा कि खेल के क्षेत्र में हमारे युवाओं के सामने उपलब्धि हासिल करने की असीम संभावनाएं है। उन्होंने प्रतियोगिता में शामिल हो रहे खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त किया एवं बेहतर खेल के प्रदर्शन के लिए शुभकामनाएं भी दी। बालोद के सरदार वल्लभ भाई पटेल मैदान में आयोजित इस राज्य स्तरीय कबड्डी प्रतियोगिता में कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए सांसद श्री मोहन मण्डावी ने खेल के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि स्वस्थ्य शरीर में स्वस्थ्य मस्तिष्क का वास होता है। इसलिए प्रत्येक व्यक्ति को खेल खेलना अत्यंत आवश्यक है। कहा कि खेल सभी जाति, सम्प्रदाय, अलग-अलग बोली-भाषा के लोगों को जोड़ने का भी कार्य करती है। प्रदेश कबड्डी संघ के अध्यक्ष श्री अशोक चौधरी ने राज्य में खेल अलंकरण को पुनः प्रारंभ करने के लिए राज्य सरकार के प्रति आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम में पूर्व विधायक श्री प्रीतम साहू, श्री वीरेंद्र साहू, पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष श्री राकेश यादव,कृष्णकांत पवार, जनपद अध्यक्ष श्रीमती प्रेमलता साहू, प्रमोद जैन एवं अन्य जनप्रतिनिधि और बड़ी संख्या में खेल प्रेमी उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री साय ने जय श्री राम के उद्घोष के साथ राम रथ को झंडी दिखाकर किया रवाना

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने राज्य अतिथि गृह पहुना से राम रथ को झंडी दिखाकर रवाना किया। इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा भी उपस्थित थे। मुख्यमंत्री साय एवं उप मुख्यमंत्री श्री शर्मा ने चिट्ठी में मनोकामना के रूप में 'जय श्री राम' लिखकर रथ के जरिये अयोध्या श्री राम लला के पास भेजा और प्रदेशवासियों के खुशहाल एवं सुखमय जीवन की कामना की। मुख्यमंत्री के साथ रायपुर कान्वेंट स्कूल की छात्राओं ने भी अपने संदेश ड्राप बॉक्स में डाले। कार्यक्रम स्थल में छत्तीसगढ़ी फिल्मों के डायरेक्टर मनोज राजपूत, डॉ. ओम माखीजा और प्रेम देवांगन भी

उपस्थित थे।

गौरतलब है कि 94.3 माय एफएम रेडियो चैनल के द्वारा 'एक चिट्ठी सियाराम के नाम' अभियान चलाया जा रहा है। जिसके तहत राम रथ राज्य भर में भ्रमण कर प्रदेशवासियों से उनकी मनोकामना हेतु लिखित संदेश चिट्ठी के रूप में एकत्रित करेगा। राम रथ प्रदेश भर से एकत्रित संदेश मनोकामना पूर्ति के लिए भगवान श्री राम के पास अयोध्या पहुँचेगा और श्रद्धालुओं के लिए आशीर्वाद के रूप में अयोध्या से मिट्टी और प्रसाद लेकर वापस लौटेगा ।

कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय
भारत सरकार
सत्यमेव जयते

"मौसम के जोखिमों से हमारे मेहनती किसान भाई–बहनों के हितों को सुरक्षित करने में प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना काफी कारगर साबित हो रही है। इसका लाभ करोड़ों किसानों को मिल रहा है।"
– नरेन्द्र मोदी, प्रधानमंत्री

बीमित फसल का साथ,
मेरी पॉलिसी, मेरे हाथ

फसल बीमा कराओ, सुरक्षा कवच पाओ

प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के 8 साल
एक नई मिसाल

- 56 करोड़ से अधिक किसान आवेदन प्राप्त
- 16.06 करोड़ किसानों को मिला फसल बीमा का लाभ
- ₹1.52 लाख करोड़ के दावों का भुगतान
- ऐड ऐप द्वारा किसानों के द्वार तक फसल बीमा नामांकन की सुविधा
- देशव्यापी कृषि रक्षक हेल्पलाइन 14447 का शुभारम्भ

मेरी पॉलिसी मेरे हाथ
महा अभियान
15 जनवरी – 15 फरवरी 2024

आपके गाँव में होने वाले शिविर में इन विषयों पर जानकारी प्राप्त करें:
- बीमा पॉलिसी, सरकारी नीतियाँ, भूमि अभिलेख एवं दावे और शिकायत निवारण
- किसानों के प्रशिक्षण हेतु फसल बीमा पाठशाला

प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना

बीमा भागीदार: AIC, Bajaj Allianz, Chola MS, Future Generali, HDFC ERGO, ICICI Lombard, IFFCO-TOKIO, Kshema, Oriental Insurance, Reliance General Insurance, SBI general, Tata AIG, Universal Sompo General Insurance

योजना की अधिक जानकारी के लिए संपर्क करें | जनसेवा केंद्र | क्रॉप इंश्योरेंस ऐप https://play.google.com | पोस्ट ऑफिस | बैंक शाखा | @PMFBY

योजना से संबंधित अधिक जानकारी के लिए QR कोड स्कैन करें

खास खबर...

राज्य में अब तक 121.47 लाख मीट्रिक टन धान की खरीदी, किसानों को 26,482 करोड़ रुपए का भुगतान

कस्टम मीलिंग के लिए 77.90 लाख मीट्रिक टन धान का उठाव

रायपुर। छत्तीसगढ़ में खरीफ विपणन वर्ष 2023-24 के तहत एक नवंबर 2023 से धान खरीदी का अभियान निरंतर जारी है। राज्य सरकार द्वारा इस वर्ष मोदी की गारंटी के अनुरूप किसानों से 21 क्विंटल प्रति एकड़ के मान से धान की खरीदी की जा रही है। राज्य सरकार द्वारा अब तक किसानों से 121.47 लाख मीट्रिक टन धान की समर्थन मूल्य पर खरीदी की जा चुकी है। धान के एवज में किसानों को 26482 करोड़ रुपए से अधिक की राशि का भुगतान बैंक के माध्यम से किया गया है।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के निर्देशानुसार प्रति एकड़ 21 क्विंटल धान विक्रय का लाभ पूर्व में धान बेच चुके किसानों को भी मिलेगा। इसका आशय यह है कि एक नवम्बर से अब तक पूर्व निर्धारित मात्रा के अनुरूप धान बेच चुके किसान, शेष मात्रा का धान, उपार्जन केन्द्र में 31 जनवरी तक बेच सकेंगे। उल्लेखनीय है कि राज्य शासन द्वारा खरीफविपणन वर्ष 2023-24 में 130 लाख मीट्रिक टन धान उपार्जन का लक्ष्य रखा गया है।

मार्कफेड के महाप्रबंधक से प्राप्त जानकारी के अनुसार राज्य में समर्थन मूल्य पर अब तक 22 लाख 24 हजार 784 किसानों से 121 लाख 47 हजार 603 मीट्रिक टन धान की खरीदी की जा चुकी है। इसके एवज में किसानों को 26 हजार 482 करोड़ रुपए से अधिक की राशि का भुगतान बैंक के माध्यम से किया गया है। धान खरीदी के साथ-साथ कस्टम मिलिंग के लिए निरंतर धान का उठाव जारी है। अब तक 95 लाख 91 हजार 73 मीट्रिक टन धान के उठाव के लिए डीओ जारी किया गया है। जिसके विरूद्ध मिलर्स द्वारा 77 लाख 90 हजार 952 मीट्रिक टन धान का उठाव किया जा चुका है।

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र की तर्ज पर राज्य राजधानी क्षेत्र का होगा तेजी से विकास

रायपुर। राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र की तर्ज पर नवा रायपुर अटल नगर, रायपुर भिलाई एवं दुर्ग को शामिल करते हुए राज्य राजधानी क्षेत्र का विकास करने की योजना छत्तीसगढ़ शासन द्वारा बनाई गई है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय एवं आवास एवं पर्यावरण मंत्री ओपी चौधरी द्वारा नवा रायपुर अटल नगर में चले रही सभी परियोजनाओं को समय-सीमा में पूर्ण करने का निर्देश दिया गया है।

विभागीय मंत्री ओपी चौधरी ने गुणवत्ता विहीन कार्य करने वाले ठेकेदारों पर सख्त कार्रवाई करने के लिए अधिकारियों को निर्देश दिए हैं।उक्त निर्देश के परिपालन में नवा रायपुर अटल नगर स्मार्ट सिटी लिमिटेड द्वारा सभी कार्यों की विस्तृत समीक्षा की गई। समीक्षा पश्चात् ऐसे कार्य जिनकी प्रगति बहुत धीमी थी तथा ठेकेदारों को कई बार नोटिस देने के बाद भी कार्य में तेजी नहीं आई, उन कार्यों के वर्तमान ठेकेदार से अनुबंध खत्म कर नये ठेकेदार से कार्य कराने का निर्णय स्मार्ट सिटी के संचालक मण्डल द्वारा 19 जनवरी 2024 को आयोजित बैठक में लिया गया है।

ब्रिटेन में बने कानून की बजाए भारत अब अपने कानून से संचालित होगाः उपमुख्यमंत्री शर्मा

कार्यशाला में समाज के विभिन्न अंग अधिवक्ता, समाजसेवी संगठन, व्यापारिक संगठन, संपादक, पत्रकार, पुलिस व प्रशासनिक विभाग शामिल

- नए कानून में अपराधी को दण्ड देने के साथ-साथ पीड़ित को न्याय देने की भावना
- ''नवीन कानूनः दंड संहिता से न्याय संहिता की ओर'' कार्यशाला में शामिल हुए उपमुख्यमंत्री

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। देश अब दंड से न्याय की ओर जा रहा है। अंग्रेजो के जमाने से चले आ रहे कानून में केंद्र की मोदी सरकार ने सकारात्मक बदलाव किए हैं। आम जनता के साथ समाज के प्रबुद्ध वर्ग को इससे अवगत कराने आज सिविल लाइन सर्किट हाउस में उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा की अध्यक्षता और पुलिस महानिदेशक अशोक जुनेजा की उपस्थिति में समाज के अधिवक्ता, समाजसेवी संगठन,व्यापारिक संगठन, संपादक, पत्रकार, पुलिस व प्रशासनिक विभाग के लिए कार्यशाला का आयोजन किया गया।

इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने कहा है कि ब्रिटेन में पारित किए कानून से नहीं अब भारत में बने कानून से ही देश का संचालन होगा। उन्होंने आज यहां राजधानी रायपुर के सर्किट हाउस में गृह विभाग द्वारा ''नवीन कानून: दंड संहिता से न्याय संहिता की ओर'' विषय पर आयोजित कार्यशाला को सम्बोधित करते हुए कहा नए कानून में अपराधी को दण्ड देने के साथ-साथ पीड़ित को न्याय देने की भावना निहित है। महिलाओं एवं बच्चों को न्याय एवं सुरक्षा देना भी इस नये कानून की प्राथमिकता में शामिल है। यह नवीन कानून निश्चित रूप से दूरदर्शी सोच और कल्पना का परिणाम है।

उपमुख्यमंत्री शर्मा ने कार्यशाला में कहा कि नये कानून से हमारा समाज और देश आगे बढ़ेगा, अब कोई भी तारीख पे तारीख नहीं दे पाएगा। समय-सीमा में सभी कानूनी प्रावधान के अंतर्गत कार्रवाई करनी होगी। नए कानून में महिला के विरूद्ध घटित अपराधों की प्रथम सूचना एवं विवेचना महिला अधिकारी द्वारा किए जाने का बाध्यकारी प्रावधान है। उन्होंने कहा कि अलगावादी क्रियाकलाप या सशस्त्र विद्रोह या विध्वंषक क्रियाकलाप के द्वारा भारत की एकता, अखण्डता या सम्प्रभुता के विरूद्ध कारित अपराधों पर आजीवन कारावास का प्रावधान किया गया है।

उपमुख्यमंत्री शर्मा ने कहा कि नवीन कानून में मुख्यत: औपनिवेशिक कानूनों में बदलाव, महिला सुरक्षा एवं न्याय, आतंकवाद, संगठित अपराध एवं भारत की सम्प्रभुता, एकता एवं अखण्डता के विरूद्ध अपराध, पीड़ित केन्द्रित कानूनी प्रावधान, अनुसंधान में वैज्ञानिक तकनीक, डिजिटल एवं इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्य के प्रावधान, न्यायालयीन प्रक्रिया से संबंधित प्रावधान शामिल किए गए हैं। उन्होंने धारा 370 का उल्लेख करते हुए कहा कि आजादी के 70 साल बाद हमारे पूर्वजों के संकल्प को पूरा किया गया है। उन्होंने नवीन कानून के संबंध में व्यापक रूप से प्रशिक्षण प्रदान करने, तकनीकी उन्नयन, संसाधन एवं वित्तीय प्रबंधन, अंतर्विभागीय समन्वय तथा नये कानूनों के प्रावधानों को लागू करने के संबंध में बात कही।

उन्होंने बताया कि नये कानून में मॉबलिंचिंग द्वारा हत्या के अपराध पर अधिकतम मृत्युदंड तक का प्रावधान किया गया है। भारतीय दंड संहिता 1860 के स्थान पर भारतीय न्याय संहिता 2023 को अधिसूचित किया गया। उन्होंने बताया कि भारतीय दण्ड संहिता की 511 धाराओं के स्थान पर अब 358 धाराएं हैं तथा 23 अध्याय के स्थान पर 20 अध्याय है। भारतीय दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 के स्थान पर भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 को अधिसूचित किया गया है, जिसमें 484 धाराओं के स्थान पर 531 धाराएं एवं 37 अध्याय के स्थान पर 39 अध्याय है। भारतीय साक्ष्य अधिनियम 1972 के स्थान पर भारतीय साक्ष्य अधिनियम 2023 को अधिसूचित किया गया है, जिसमें 167 धाराओं के स्थान पर 170 धाराएं हैं एवं 11 अध्याय के स्थान पर 12 अध्याय है।

सांसद सुनील सोनी ने कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए कहा कि नये कानून के लागू होने से पीड़ितों को जल्द से जल्द न्याय मिलेगी तथा पुलिस की विश्वसनीयता बढ़ेगी।

पुलिस महानिदेशक अशोक जुनेजा ने कानून के तकनीकी पक्ष पर विस्तार से प्रकाश डाला। कार्यशाला में भारतीय न्याय संहिता 2023, नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 तथा भारतीय साक्ष्य अधिनियम 2023 के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। जिसमें सदियों से चले आ रहे औपनिवेशिक कानूनों में बदलाव किया गया है। इस विषय को लेकर पुराना पुलिस मुख्यालय में मुख्यमंत्री विष्णु देव साय, मुख्य सचिव अमिताभ जैन, डीजीपी अशोक जुनेजा, एडीजी नक्सल ऑपरेशन, गृह विभाग, अपर मुख्य सचिव मनोज पिंगुआ समेत अधिकारीगण के साथ भारतीय न्याय संहिता पर सकारात्मक चर्चा हुई।

इस अवसर पर विधायकद्वय पुरन्दर मिश्रा और मोतीलाल साहू, पुलिस विभाग के वरिष्ठ अधिकारी, अधिवक्तागण, चेम्बर ऑफ कॉमर्स के पदाधिकारी, अनेक जनप्रतिनिधिगण, मीडिया के प्रतिनिधि एवं गणमान्य नागरिक बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

डीएमएफ की राशि का उपयोग खनन प्रभावितों की मूलभूत जरूरतों को पूरा करने में होः मुख्यमंत्री

- मुख्यमंत्री साय ने की खनिज विभाग के कामकाज की समीक्षा
- देश की खनिज जरूरतों को पूरा करने में प्रदेश अग्रणी, संसाधनों का हो बेहतर उपयोग

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा है कि डीएमएफ की राशि का उपयोग खनन प्रभावितों के लिए होना चाहिए। प्रभावितों के शिक्षा, स्वास्थ्य, पेयजल जैसी मूलभूत जरूरतों को पूरा करने में यह राशि प्राथमिकता के साथ खर्च होनी चाहिए। मुख्यमंत्री साय ने आज मंत्रालय महानदी भवन में खनिज विभाग के अधिकारियों की बैठक लेकर विभागीय कामकाज और गतिविधियों की समीक्षा के दौरान यह बातें कही। मुख्यमंत्री साय ने अधिकारियों से प्रदेश में खनिज के भंडारण, उत्खनन, इसके उपयोग तथा आपूर्ति सहित विभागीय कार्यों की विस्तृत जानकारी ली। इस मौके पर मुख्यमंत्री के सचिव पी.दयानंद और डॉ बसवराजू एस. उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने अधिकारियों से कहा कि छत्तीसगढ़ में खनिज संसाधनों का विपुल भंडार मौजूद है और इससे प्रदेश को बड़े राजस्व की प्राप्ति भी होती है। देश की खनिज जरूरतों को पूरा करने में प्रदेश अग्रणी है। हमें कार्ययोजना तैयार कर संसाधनों के बेहतर उपयोग को बढ़ावा देना होगा। देश के साथ-साथ प्रदेश के विकास में इन संसाधनों का समुचित लाभ मिले, यह सुनिश्चित करने की आवश्यकता है।

मुख्यमंत्री साय ने बहुमूल्य खनिज जैसे सोना और हीरे के भंडारण, लिथियम, यूरेनियम, ग्रेफाइट तथा कोल बेड मीथेन आदि के संबंध में अधिकारियों से जानकारी ली। उन्होंने खनिजों की उपलब्धता का आकलन करने और उत्खनन की प्रक्रिया में विभागीय भूमिका पर भी चर्चा की। श्री साय ने कहा कि रेयर अर्थ एलिमेंट के प्रदेश में भंडारण भी उपलब्ध है, इनके उत्खनन की दिशा में प्रभावी कदम उठाएं जाएं।

मुख्यमंत्री साय ने छत्तीसगढ़ में सर्वाधिक मात्रा में उपलब्ध खनिज कोयले के भंडारण और इसकी आपूर्ति के बारे में भी अधिकारियों से जानकारी ली। साथ ही उन्होंने प्रदेश में उपलब्ध गौण खनिजों के उत्खनन के लिए अपनाई जाने वाली प्रक्रियाओं को लेकर चर्चा की। बैठक में खनिज विभाग के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे।

श्री रामलला प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम को लेकर राजधानी में उत्साह का वातावरण

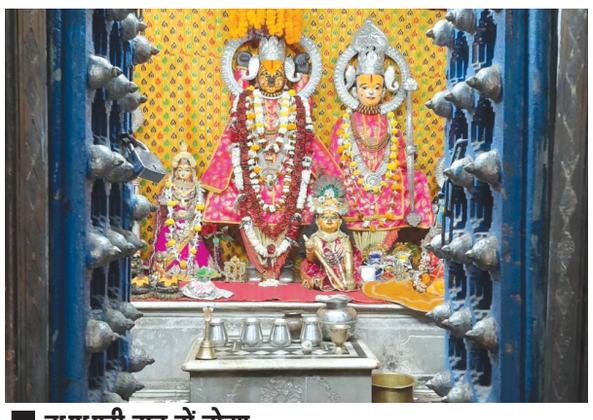

- दूधाधारी मठ में होगा श्री राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा समारोह
- दूधाधारी मठ में भगवान बालाजी का विशेष स्वर्ण श्रृंगार

रायपुर। अयोध्या धाम मे श्री रामलला प्राण प्रतिष्ठा समारोह के अवसर पर राजधानी में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। मोहल्लों-मोहल्लों में शोभायात्रा निकाली जा रही है और अयोध्या के कार्यक्रम को लाईव प्रसारण देखने की व्यवस्था की गई है। साथ ही भजन मंडलियां सुंदरकाण्ड पाठ सहित भजन गायन की प्रस्तुति देने जा रही है।

जिला प्रशासन द्वारा दुधाधारी मठ, मठपारा में श्री राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा समारोह कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि बृजमोहन अग्रवाल होंगे और अध्यक्षता सांसद सुनील सोनी करेंगे। साथ ही महंत रामसुंदर दास की भी गरिमामय उपस्थिति होगी।

इस अवसर पर मानस मंडलियां मानस गान करेंगे और उन्हे सम्मानित भी किया जाएगा। उस दिन जनसहभागिता से शहर के विभिन्न तालाबों की साफ-सफाई तथा दीप दान की जाएगी। साथ ही मंदिरों में भी जन सहभागित से दीपोत्सव मनाया जाएगा।

करीब 500 वर्ष पुराने दुधाधारी मठ में भगवान बालाजी का विशेष स्वर्ण श्रृंगार किया जाएगा। साथ ही राम नवमीं जैसा उत्सव मनाया जाएगा। यह स्वर्ण श्रृंगार विशेष अवसरों पर किया जाता है। महंत रामसुंदर दास ने कहा कि यह हम सब के लिए खुशी का अवसर है कि 22 जनवरी को अयोध्या में प्राण प्रतिष्ठा का कार्यक्रम होने जा रहा है। छत्तीसगढ़ माता कौशल्या की जन्मभूमि मानी जाती है। अत: इस लिए भगवान श्री राम हमारे भांचाराम हैं। उन्होंने मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के प्रति रामलला दर्शन योजना के लिए आभार व्यक्त भी किया।

इस समय राजधानी में उत्साह का माहौल है। मंदिरों में विशेष साफ-सफाई अभियान भी चलाया जा रहा है। यहीं नही युवा वर्ग भी इस कार्यक्रम को लेकर उत्साहित है। कुछ संस्था 21 जनवरी को ही मरीन ड्राईव से राम मंदिर तक शोभायात्रा भी निकाल रहे हैं।

25 जनवरी से 29 फरवरी तक किया जाएगा राशनकार्डों का नवीनीकरण

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। प्रदेश में सार्वजनिक वितरण प्रणाली के अंतर्गत वर्तमान में प्रचलित सभी 76.94 लाख राशनकार्डों के नवीनीकरण के लिए राज्य स्तरीय अभियान 25 जनवरी 2024 से प्रारंभ होगा। राज्य शासन द्वारा निर्णय लिया गया है कि वर्तमान में प्रचलित सभी राशनकार्डों के नवीनीकरण का कार्य 25 जनवरी 2024 से 29 फरवरी 2024 के दौरान किया जाएगा। इस हेतु खाद्य विभाग द्वारा नया मोबाईल एप्प तैयार किया गया है जिसे राशनकार्डधारी अपने मोबाईल में डाउनलोड कर राशनकार्ड के नवीनीकरण हेतु इलेक्ट्रानिक आवेदन ऑनलाईन प्रस्तुत कर सकता है। हितग्राही द्वारा खाद्य विभाग की वेबसाइट http://khadya.cg.nic.in/ से इसे डाउनलोड किया जा सकता है। ऐसे हितग्राही जिनके पास एन्ड्राईड मोबाईल नहीं है अथवा जहा पर मोबाईल कनेक्टिविटी नहीं है वहां उचित मूल्य दुकान स्तर पर ऑनलाईन तथा ऑफलाईन प्रक्रिया के जरिए राशनकार्डों हेतु इलेक्ट्रानिक आवेदन प्रस्तुत करने का प्रावधान किया गया है।

संचालक खाद्य विभाग द्वारा इस संबंध में सभी कलेक्टर्स को आवश्यक निर्देश जारी कर दिए गए हैं। समस्त कलेक्टर्स को राशनकार्ड नवीनीकरण के संबंध में उचित मूल्य दुकान, ग्राम पंचायत तथा स्थानीय स्तर पर प्रिंट और इलेक्ट्रानिक मीडिया के माध्यम से व्यापक प्रचार-प्रसार करने के निर्देश दिए गए हैं। जारी निर्देश में कहा गया है कि बस्तर संभाग के जिले जहां मोबाईल कनेक्टिविटी उपलब्ध नहीं है या नियमित कनेक्टिविटी नहीं है वहां हितग्राहियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए विशेष छूट का प्रावधान

रखा गया है। साथ ही ऐसे अति वृद्ध तथा शारीरीक रूप से नि:शक्त हितग्राही, जिनके द्वारा अपना ई-केवाईसी अब तक नहीं कराया गया हैं, उन्हें भी राशनकार्ड नवीनीकरण में विशेष सुविधा प्रदान की गई है। खाद्य विभाग द्वारा तैयार किए गए मोबाईल एप्प में हितग्राहियों के पास वर्तमान में उपलब्ध क्यूआर कोड को स्केन करने की सुविधा है, जिसके जरिए राशनकार्ड के आवेदन संबंधी समस्त जानकारी स्वत: खाद्य विभाग के डेटाबेस से मोबाईल एप्प के जरिए उपलब्ध हो जाएगी, जिसकी पुष्टि हितग्राही द्वारा अपने मोबाईल के जरिए करते हुए आवेदन सुगमता से प्रस्तुत किया जा सकेगा।

राशनकार्डधारियों की सुविधाओं को ध्यान में रखते हुए राज्य शासन द्वारा राशनकार्ड के नवीनीकरण की प्रक्रिया को पहले से अधिक बेहतर तथा सरल बनाया गया है ताकि कोई भी पात्र हितग्राही अपना राशनकार्ड नवीनीकृत कराने से वंचित न रहे। राशनकार्ड में शामिल सदस्यों में से किसी भी एक सदस्य का ई-केवाईसी पूर्ण होने की स्थिति में हितग्राही द्वारा मोबाईल एप्प के जरिए इलेक्ट्रानिक आवेदन प्रस्तुत किया जा सकेगा। इस प्रक्रिया से हितग्राहियों के राशनकार्ड फरवरी 2024 तक नवीनीकृत होने के साथ-साथ छूटे हुए सदस्यों के ई-केवाईसी का कार्य भी तेजी से पूर्ण हो जाएगा।

अन्त्योदय, प्राथमिकता, निराश्रित तथा नि:शक्तजन श्रेणी के जारी राशनकार्डों के लिए राशनकार्ड नवीनीकरण की पूर्ण प्रक्रिया नि:शुल्क होगी तथा उन्हें नए राशनकार्ड प्राप्त करने हेतु किसी भी प्रकार की राशि का भुगतान नहीं करना होगा। यह राशि राज्य शासन द्वारा वहन की जाएगी। सामान्य श्रेणी के राशनकार्डधारियों हेतु एप्प के माध्यम से नवीनीकरण के लिए 10 रुपए की राशि निर्धारित की गयी है।

नंदनी रोड, लिंक रोड, सर्कुलर मार्केट, जवाहर मार्केट पावर हाउस, भिलाई के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करें:-
9303289950, 9827806026, 8962815243

सर्दियों में रोजाना एक अनार का जरूर करें सेवन, मिलेगें स्वास्थ्य से जुड़े कई फायदे

अनार प्रोटीन, फाइबर, विटामिन-सी, विटामिन-के, फोलेट और पोटेशियम जैसे पोषक तत्वों का भंडार है। इसमें कई शक्तिशाली एंटी-ऑक्सीडेंट्स समेत कई अन्य खास तत्व भी मौजूद होते हैं। आहार और पोषण विशेषज्ञों की मानें तो लोगों के लिए रोजाना एक अनार खाना लाभदायक हो सकता है, जबकि छोटे बच्चों को इसका जूस बनाकर पिलाना चाहिए। आइए आज हम आपको इस स्वास्थ्यवर्धक फल को डाइट में शामिल करने के फायदे बताते हैं।

हड्डियों को मजबूती देने में है कारगर

यह फल हड्डियों के घनत्व के नुकसान को रोकने में मदद करता है क्योंकि इसमें फ्लेवोनोइड्स की मात्रा ज्यादा होती है। ये फ्लेवोनोइड शरीर की सूजन से लड़ते हैं, जो ऑस्टियोआर्थराइटिस जैसी हड्डियों की समस्या का कारण बन सकती है। इसके अलावा जर्नल ऑफ न्यूट्रिशन में प्रकाशित एक अध्ययन से पता चलता है कि अनार का अर्क उन लक्षणों का प्रभाव भी कम करता है, जो ऑस्टियोआर्थराइटिस के कारण सामने आते हैं।

हृदय के लिए हो सकता है लाभदायक

अनार में एंटी-ऑक्सीडेंट गुण मौजूद होते हैं, जिस कारण इसे हृदय के लिए अच्छा माना जाता है। इस फल के सेवन से अच्छे कोलेस्ट्रॉल का स्तर बढ़ता है और हानिकारक कोलेस्ट्रॉल कम होने लगता है। इसके अलावा अनार का सेवन करने से एथेरोस्क्लेरोसिस होने की आशंका काफी हद तक कम हो जाती है। बता दें कि धमनियों में वसा और कोलेस्ट्रॉल के जमा होने पर एथेरोस्क्लेरोसिस नामक बीमारी होती है।

तनाव को कम करने में भी है सहायक

अनार शरीर से ऑक्सीडेटिव तनाव को कम करने के लिए जाना जाता है। इसके अलावा यह मनोवैज्ञानिक तनाव को कम करने में भी मदद कर सकता है। क्वीन मार्गरेट यूनिवर्सिटी द्वारा किए गए एक अध्ययन में पाया गया कि जो लोग नियमित रूप से अनार का सेवन करते हैं, उनके शरीर में कोर्टिसोल हार्मोन का स्तर कम होता है। यह तनाव का स्तर बढ़ाता है इसलिए जब भी खुद को तनावपूर्ण महसूस करें तो अनार का सेवन जरूर करें।

पाचन को सुधारने में है सहायक

सर्दियों में कई लोग भारी खाद्य पदार्थ खाने लगते हैं जिन्हें पचाना मुश्किल होता है। ऐसे में अनार में मौजूद पैक्टिन पाचन के लिए बहुत अच्छा होता है। पैक्टिन आंतों से पानी को अवशोषित करता है और पाचन को धीमा कर देता है। इसके अलावा फाइबर से भरपूर अनार का सेवन पेट में सूजन, अपच और कब्ज जैसी समस्याओं से भी राहत दिला सकता है और शरीर में पानी की मात्रा को पूरा करता है।

इम्युनिटी को बढ़ाने में भी कर सकता है मदद

कमजोर इम्युनिटी के कारण कई तरह के संक्रमण और बीमारियां होने का खतरा काफी बढ़ जाता है। हालांकि, अगर रोजाना एक अनार का सेवन किया जाए तो इम्युनिटी में काफी हद तक सुधार हो सकता है क्योंकि इसमें मौजूद एंटी-बैक्टीरियल, एंटी-इंफ्लेमेटरी और अन्य गुण शरीर की इम्युनिटी को बढ़ा सकते हैं। इतना ही नहीं, इसमें मौजूद विटामिन-सी शरीर को बीमारियों से लड़ने में मदद कर सकती है।

शाहरुख खान की जवान और पठान ने दिखाया कमाल, अंतरराष्ट्रीय स्टंट पुरस्कारों के लिए मिला नामांकन

शाहरुख खान के लिए 2023 बहुत खास रहा। अभिनेता की 3 फिल्मों पठान, जवान और डंकी ने सिनेमाघरों में दस्तक दी, जो ब्लॉकबस्टर साबित हुई।तीनों ही फिल्मों ने बॉक्स ऑफिस पर राज किया, जिसमें से जवान सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्म बनकर उभरी।अब पठान और जवान ने फिर अपना कमाल दिखाया और अंतरराष्ट्रीय स्टंट पुरस्कारों की रेस में शामिल हो गई। दोनों फिल्मों को न्यूयॉर्क मैगजीन के वल्चर 2023 वार्षिक स्टंट अवार्ड्स के नामांकन हासिल हुए हैं।

पठान और जवान विश्व स्तर पर दर्शकों को लुभाने में कामयाब रहीं और अब इन्हें कीनू रीव्स की जॉन विक 4 और टॉम क्रूज की मिशन-इम्पॉसिबल - डेड रेकनिंग जैसी हॉलीवुड फिल्मों के साथ नामांकन मिला है। जवान को एक्शन फिल्म में सर्वश्रेष्ठ स्टंट के लिए तो पठान को जेट-पैक फाइट सीक्वेंस के लिए सर्वश्रेष्ठ एरियल स्टंट के लिए नामांकित किया गया है। दोनों फिल्मों को सर्वश्रेष्ठ एक्शन फिल्म श्रेणी में भी नामांकन मिला है।

एक्शन फिल्म में सर्वश्रेष्ठ स्टंट के लिए जवान के हवाई चेज वाले सीक्वेंस के साथ फिल्म इक्लाइजर 3 का ग्लास की छत पर किया गया स्टंट नामांकित हुआ है। इस श्रेणी में एक्सट्रैक्शन 2 का ओपनिंग सीन और जॉन विक-चैप्टर 4 का सीढ़ी पर किया एक्शन भी शामिल है, वहीं आखिरी नाम मिशन-इम्पॉसिबल-डेड रेकनिंग पार्ट वन का है।

खूबसूरत साड़ी पहन इठलाई पलक तिवारी साड़ी में भी लगीं बोल्ड तो कायल हुए फैंस

पलक तिवारी वर्तमान में इंटरनेट की नई सेंसेशन बन चुकी हैं। कई म्यूजिक वीडियो और सलमान खान की फिल्म किसी का भाई किसी की जान से बॉलीवुड में भी डेब्यू कर चुकीं पलक अच्छी-अच्छी एक्ट्रेस को भी अपने लुक और बोल्डनेस से पीछे छोड़ रही हैं।

पलक तिवारी टीवी की खूबसूरत एक्ट्रेस श्वेता तिवारी की बेटी पलक तिवारी भी अपनी मां की ही तरह खूबसूरती और बोल्डनेस में किसी भी बड़ी एक्ट्रेस से कम नहीं हैं, बल्कि पलक तो अपनी मां से भी आगे निकल चुकी हैं। पलक तिवारी ने डीपनेक ब्लाउज में काफी कातिलाना पोज दिए हैं। तस्वीरें देख फैंस पोस्ट पर कमेंट की बारिश कर रहे हैं। कोई उन्हें बोल्ड बोल रहा है तो कोई हॉट, किसी को एक्ट्रेस खूबसूरत नजर आ रही हैं तो किसी को गॉर्जियस। पलक तिवारी अक्सर अपने सोशल मीडिया हैंडल्स पर अपनी तस्वीरें और वीडियो पोस्ट करती रहती हैं। हाल ही में एक्ट्रेस ने खूबसूरत साड़ी पहन कुछ तस्वीरें शेयर किए हैं, जिनमें वह काफी बोल्ड नजर आ रही हैं।

लाइट ग्रीन कलर की साड़ी और डीपनेक ब्लाउज में पलक तिवारी का देसी बोल्ड लुक फैंस को काफी ज्यादा पसंद आ रहा है। तस्वीरों को एक्ट्रेस ने हार्ट एमोजी के साथ शेयर किया है। ओपन हेयर और न्यूड मेकअप में एक्ट्रेस की खूबसूरती में और ज्यादा निखार देखने को मिला है। पोस्ट के कमेंट बॉक्स में यूजर्स तो उन्हें सो प्रिटी और क्यूट गर्ल भी बुला रहे हैं।

बता दें कि पलक तिवारी कई म्यूजिक वीडियो में नजर आ चुकी हैं और सलमान खान की फिल्म किसी का भाई किसी की जान से बॉलीवुड में भी डेब्यू कर चुकीं हैं।

दिवंगत अभिनेता सतीश कौशिक की फिल्म मिर्ग का टीजर जारी, 9 फरवरी को रिलीज होगी फिल्म

दिग्गज एक्टर सतीश कौशिक अब इस दुनिया में नहीं रहे। उन्होंने अपने करियर में कई शानदार किरदारों से दर्शकों के दिलों को जीता था। सतीश कौशिक का निधन पिछले साल मार्च में हुआ था। हालांकि उस वक्त वह कई फिल्मों और वेब सीरीज की शूटिंग कर रहे थे। जो सतीश कौशिक की मौत के बाद रिलीज हुई है। अब दिवंगत एक्टर की एक और फिल्म का टीजर रिलीज हो चुका है, जिसमें सतीश कौशिक का एकदम अलग अंदाज देखने को मिल रहा है। एक्टर की आखिरी फिल्म का नाम मृग है।

मृग का टीजर रिलीज हो चुका है। जिसे देखकर कहा जा सकता है कि यह क्राइम रिवेंज ड्रामा है। मृग के टीजर बदला और कत्ल दिखाया गया है। यह फिल्म हिमाचल प्रदेश के निचले इलाकों में लोकप्रिय पहाड़ी तेंदुए पर केंद्रित है। फिल्म एक डकैती और बदले को दिखाती हुई नजर आएगी। मृग में सतीश कौशिक का एक्शन अंदाज भी देखते ही बन रहा है। इस फिल्म सतीश कौशिक के अलावा राज बब्बर, अनूप सोनी और श्वेताभ सिंह जैसे कलाकार मुख्य भूमिका में हैं। आपको बता दें कि अभिनेता-फिल्म निर्माता सतीश कौशिक का पिछले साल 9 मार्च को दिल का दौरा पड़ने से अप्रत्याशित निधन हो गया था। दिल्ली में दोस्तों और परिवार के साथ होली मनाने के बाद उन्हें बेचैनी महसूस हुई। उन्हें अस्पताल ले जाया गया, लेकिन वहां पहुंचने पर उन्हें मृत घोषित कर दिया गया।

विंटर हेडेक से पाना है छुटकारा तो आजमाएं ये उपाय

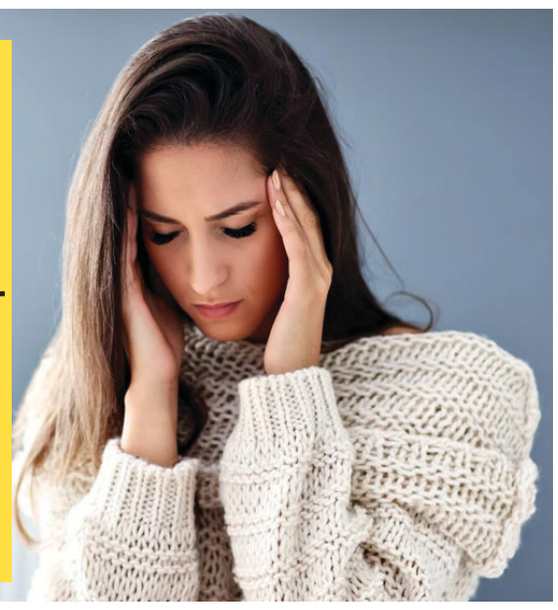

उत्तर भारत में कड़ाके की ठंड पड़ रही है। ऐसे में बीमारियां भी तेजी से बढ़ रही हैं। शीतलहर की चपेट में आने से सर्दी-जुकाम की समस्या हो रही है। ठंडी हवाएं लगने के बाद अक्सर तेज सिरदर्द की समस्या भी होने सगती है। ऐसे में बहुत से लोग दिनभर सिर पकड़े-पकड़े ही रह जाते हैं। विंटर हेडेक तब होता है, जब तापमान कम होने पर मस्तिष्क के नसों पर प्रभाव पड़ता है। इससे सिर में ब्लड सर्कुलेशन प्रभावित होती है। ऐसे में आइए जानते हैं सर्दियों में हेडेक से बचने के घरेलू उपाय।

ठंड में सिरदर्द से छुटकारा पाने के उपाय

गर्म चीजों का करें सेवन

ठंड में जब भी सिरदर्द करे तो गर्म तासीर वाली चीजों का सेवन करें। हेडेक होने पर चाय या कॉफी पीना फायदेमंद हो सकता है। कैफीन के सेवन से मस्तिष्क को आराम मिलने की उम्मीद रहती है। यह मूड को बेहतर बनाने का काम भी करता है।

गुनगुने तेल से सिर की मालिश करें

सर्दियों में सिरदर्द की समस्या होने पर गुनगुने तेल से सिर की मालिश कर सकते हैं। इससे मस्तिष्क के नसों को आराम मिलता है और ब्लड सर्कुलेशन सही होता है। विंटर हेडेक होने पर यह समस्या काफी कारगर हो सकती है।

फुल रेस्ट करें

ठंड के मौसम में जब भी सिर में तेज दर्द हो, तब कुछ देर तक जाकर आराम करना चाहिए। अच्छी नींद आने से मस्तिष्क को आराम मिलता है और सिरदर्द की समस्या दूर होती है। ऐसे में आराम करना नहीं भूलना चाहिए।

हर्बल चाय पिएं

हर्बल चाय भी सिरदर्द से छुटकारा दिलाने में मदद कर सकती है। ठंड में हेडेक से तुरंत आराम पाने के लिए तुलसी, अदरक, काली मिर्च और दालचीनी से चाय बनाकर पीना फायदेमंद होता है। इसमें मौजूद एंटी इंफ्लेमेटरी गुण दर्द से राहत दिलाने का काम करता है।

हल्दी वाला दूध का सेवन

हल्दी वाला दूध भी ठंड में सिरदर्द की समस्या से छुटकारा दिलाने का काम करता है। हल्दी में एंटीसेप्टिक, एंटीबैक्टीरियल, एंटीबायोटिक, एंटीऑक्सिडेंट जैसे गुण होते हैं, जो सिरदर्द को दूर करने का काम कर सकते हैं। इससे दिमाग को भी आराम मिलता है। थोड़ी देर धूप में बैठना भी आरामदायक हो सकता है।

फिल्म रिस्की रोमियो में मोनिका चौधरी निभाएंगी अहम भूमिका

एक्ट्रेस मोनिका चौधरी, जिन्हें रणबीर कपूर और श्रद्धा कपूर स्टारर फिल्म तू झूठी मैं मक्कार में देखा गया था, वह एक्टर सनी सिंह की अपकमिंग कॉमिक ट्रेजेडी रिस्की रोमियो में अहम रोल निभाने के लिए तैयार हैं। फिल्म अबीर सेनगुप्ता द्वारा लिखित और निर्देशित है, जिन्होंने पहले कियारा आडवाणी-स्टारर इंदु की जवानी का निर्देशन किया था और राधिका आप्टे-स्टारर मिसेज अंडरकवर का निर्माण किया था। अपने रोल के बारे में मोनिका ने कहा, फिल्म में मेरा लुक भी मेरे द्वारा किए गए बाकी सभी कामों से काफी अलग है। जब मैंने पहली बार स्क्रिप्ट और करेक्टर सुना, तो मैं तुरंत फिल्म के नेचर और मेरे करेक्टर के अप्रत्याशित होने से हैरान रह गयी। सनी अद्भुत को-एक्टर हैं और मुझे रिस्की रोमियो की शूटिंग में बहुत मजा आया। अब मैं इसके रिलीज होने का बेसब्री से इंतजार कर रही हूं।

फिल्म में कृति खरबंदा भी हैं

एक्टर सनी सिंह ने कहा कि उन्हें मोनिका के साथ काम करना बहुत पसंद है, वह सेट पर उत्साह के साथ आती हैं।

सनी ने कहा, जिस पैशन के साथ वह अपने किरदार में डूब जाती हैं वह अद्भुत है। हमारी तैयारी के दौरान उनके साथ रीडिंग करते समय मुझे पता था कि उनके साथ शूटिंग करने में बहुत मजा आने वाला है और मैं इस बात से बेहद खुश हूं कि मोनिका रिस्की रोमियो में सबसे महत्वपूर्ण भूमिकाओं में से एक में है।

निर्देशक अबीर सेनगुप्ता ने कहा कि मोनिका की भूमिका के लिए कास्टिंग बेहद मुश्किल थी, लेकिन उन्होंने किरदार को समझकर इसमें बहुत गहराई जोड़कर फिल्म निर्माता को वास्तव में सरप्राइज कर दिया।

उन्होंने कहा, शुरुआत में मेरे लिए मोनिका की भूमिका के लिए चयन करना बहुत मुश्किल हो रहा था। मैं इस बात को लेकर काफी गंभीर था कि एक्टर इसे सही कर रहा है और फिर मेरी मुलाकात मोनिका से हुई, जिसने मुझे अपनी सहजता से सरप्राइज कर दिया और सबसे बड़ी बात ये थी कि वो किरदार की गहराई को अच्छे से समझती थीं। उन्होंने शूटिंग से पहले पढ़ने और डिस्कशन के लिए बहुत समय दिया और फिर, सेट पर हमारे लिए यह एक सहज जर्नी शुरू की। फिल्म का निर्माण जादूगर फिल्म्स की अनुश्री मेहता, प्रियंका मेहरोत्रा और पीआर मोशन पिक्चर्स के रमेशचंद्र यादव ने किया है। रिस्की रोमियो ने अपना फिल्मांकन पूरा कर लिया है और वर्तमान में पोस्ट-प्रोडक्शन स्टेज में है।

अजय देवगन की हॉरर थ्रिलर शैतान की रिलीज डेट का हुआ ऐलान, सामने आया फिल्म का पहला पोस्टर

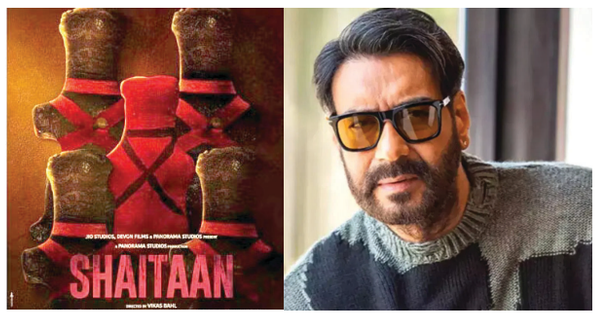

साल 2024 में अजय देवगन के पास कई बड़े प्रोजेक्ट्स हैं जिनमें वो अपनी एक्टिंग का जलवा दिखाने वाले हैं। हाल ही में रेड के सीक्वल को लेकर अपडेट आई थी कि फिल्म में इस बार वानी कपूर नजर आएंगी। अब एक्टर की नई फिल्म शैतान का पोस्टर और रिलीज डेट सामने आ गई है।

अजय देवगन ने अपने चाहने वालों को एक सरप्राइज दिया है। उन्होंने अपनी आगामी फिल्म का एलान किया है। फिल्म का टाइटल है शैतान। फिल्म का फर्स्ट लुक इसके टाइटल से एकदम मैच करता है। इस फिल्म का निर्देशन क्वीन, सुपर 30 और लूटेरा जैसी फिल्में बना चुके विकास बहल कर रहे हैं।

सुपरनेचुरल जॉनर की फिल्म शैतान के पोस्टर के साथ-साथ रिलीज डेट का भी एलान किया गया है। शैतान इसी साल थिएटर्स में धमाल मचाने के लिए तैयार है। फिल्म 8 मार्च 2024 को सिनेमाघरों में दस्तक देगी। फिल्म का निर्माण अजय देवगन, ज्योति देशपांडे, कुमार मंगत पाठक और अभिषेक पाठक कर रहे हैं।

अजय देवगन के पास लाइन में कई बड़ी फिल्में हैं, जो 2024 को रिलीज होंगी। ऐसे में यह कहना गलत नहीं होगा कि 2024 अजय का साल होने वाला है। शैतान के अलावा वह सिंघम 3, रेड 2, औरों में कहां दम था और शराबी है। सिंघम 3 15 अगस्त 2024 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी, जिसमें करीना कपूर खान, रणवीर सिंह, अक्षय कुमार और दीपिका पादुकोण अहम भूमिका में दिखाई देंगे। रेड 2 की भी शूटिंग शुरू हो गई है। इस फिल्म में अजय देवगन, रवि तेजा और नोरा फतेही के साथ नजर आएंगे। यह फिल्म 15 नवंबर 2024 को रिलीज होगी। वहीं, तब्बू के साथ औरों में कहां दम था 26 अप्रैल 2024 को थिएटर्स में दस्तक देगी।

दुर्ग, सुपेला और कोहका प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करें:- 9303289950

Paul Sir
BANK P.O. & CLERK, MBA, RLY., SSC.
रामा कोचिंग
135,NEW CIVIC CENTER, Bhilai Ph. 0788-6560005

चौरसिया ज्वेलर्स
आकर्षक सोने चांदी के आभूषणों के निर्माता एवं विक्रेता
बेन्टेक्स एवं ग्रहरत्न उपलब्ध यहां
उचित ब्याज दर पर गिरवी रखी जाती है

मुक्तिधाम रोड, रामनगर, सुपेला, भिलाई
9827938211, 9827171332

खास खबर

छात्रवृत्ति के लिए बैंक खाता-आधार सीडिंग का अंतिम मौका

रायपुर। अपने बैंक खाते को आधार नम्बर से लिंक कराने से वंचित रह गये छात्र-छात्राओं को आधार सीडिंग का अंतिम मौका दिया जा रहा है। विद्यार्थियों हेतु बैंक खातों को अपने आधार नम्बर से लिंक कराने की अंतिम तिथि 22 जनवरी तक बढ़ा दी गई है। आधार सीडिंग के बाद ही विद्यार्थी छात्रवृत्ति की राशि अपने बैंक खातों से निकाल सकेंगे। जिले के आदिवासी विकास विभाग के सहायक संचालक ने बताया कि महाविद्यालयों में पढने वाले अनुसूचित जाति-जनजाति और अन्य पिछड़ा वर्ग के विद्यार्थियों को पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति देने की योजना संचालित की जा रही है। पिछले वर्ष कई विद्यार्थियों के बैंक खाते उनके आधार नम्बरों से लिंक नहीं थे, इसलिए उनकी छात्रवृत्ति राशि का आहरण नहीं हो सका था। ऐसे सभी विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति राशि प्राप्त करने के लिए अंतिम मौका देकर बैंक खाते को अपने आधार नम्बर से लिंक कराने के निर्देश जारी किए गए है। छात्रवृत्ति से वंचित विद्यार्थियों के लिए 22 जनवरी 2024 तक पोर्टल पुनः खोला गया है। विद्यार्थी आधार सीडिंग कराकर अपने संस्था प्रमुख को सूचित करेंगे। संस्था प्रमुख द्वारा आदिवासी विकास विभाग के जिला कार्यालय को जानकारी उपलब्ध कराने पर छात्रवृत्ति की राशि का आहरण कर विद्यार्थियों के खाते में जमा की जाएगी। निर्धारित तिथि 22 जनवरी तक आधार सीडिंग नहीं करवाने पर विद्यार्थी छात्रवृत्ति से वंचित हो जाएंगे। सहायक आयुक्त ने सभी संस्था प्रमुखों को भी निर्देश दिए हैं कि अपने विद्यार्थियों की आधार सीडिंग प्राथमिकता से करवाना सुनिश्चित करें।

लोक प्रशासन में उत्कृष्ट कार्य करने वाले को प्रधानमंत्री करेंगे सम्मानित

दुर्ग। भारत सरकार के निर्देशानुसार व राज्य शासन के आदेशानुसार जिले में विभिन्न विभागों के माध्यम से भारत सरकार की योजनाओं पर आधारित कार्य जो हो चुके है तथा जो कार्य प्रगतिरत है। जिसमें हर घर जल योजना, प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण व शहरी) मिशन इंद्रधनुष, प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना, प्रधानमंत्री उज्जवला योजना, प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना, प्रधानमंत्री मातृ वंदन योजना, प्रधानमंत्री मुद्रा योजना, प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना, प्रधानमंत्री पोषण योजना तथा किसान क्रेडिट कार्ड स्कीम जो कि किसानों, पशुपालकों व मछुआरों के लिए लाभदायक योजनाएं शामिल है। उक्त कार्यो के लिए प्रधानमंत्री के माध्यम से विभागों को सम्मानित किया जायेगा। इस योजना के अंतर्गत जिले में सभी स्कूल, आंगनबाड़ी, आश्रम, शासकीय भवन, स्वास्थ्य केंद्र में योजना का लाभ दिया जाना निश्चित है। इस योजना के अंतर्गत लाभान्वित हितग्राहियों के कारण विभाग को सम्मानित किया जाना प्रस्तावित है। ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में सभी के लिए आवास के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए, ग्रामीण विकास मंत्रालय पात्र ग्रामीण परिवारों को सहायता प्रदान करने के लिए प्रधान मंत्री आवास योजना-ग्रामीण एवं शहरी लागू की गई है। यह सुनिश्चित करना कि टीकाकरण से वंचित और आंशिक रूप से टीका लगाए गए बच्चों को राष्ट्रीय टीकाकरण कार्यक्रम के अनुसार पूरी तरह से टीका लगाया गया है।

भारत में विश्वगुरु बनने की क्षमता - अरुण साव

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। गुरु घासीदास केन्द्रीय विश्वविद्यालय बिलासपुर में आज भारतीय विश्वविद्यालय संघ (मध्य क्षेत्र) के दो दिवसीय कुलपति समागम का समापन हुआ। छत्तीसगढ़ के उप मुख्यमंत्री अरुण साव समापन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। भारतीय विश्वविद्यालय संघ के अध्यक्ष प्रो. जी.डी. शर्मा ने समारोह की अध्यक्षता की। भारतीय विश्वविद्यालय संघ की महासचिव डॉ. (श्रीमती) पंकज मित्तल, गुरु घासीदास विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आलोक कुमार चक्रवाल और कुलसचिव प्रो. मनीष श्रीवास्तव विशिष्ट अतिथि के रूप में समारोह में शामिल हुए।

कुलपति समागम के समापन समारोह को मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित करते हुए उप मुख्यमंत्री श्री अरुण साव ने कहा कि शिक्षा को विश्वस्तरीय बनाने के लिए भारतीय विश्वविद्यालय संघ द्वारा किए जा रहे कार्य प्रशंसनीय हैं। शिक्षा व संस्कृति के क्षेत्र में संघ के योगदान से शिक्षा में एकरूपता और समानता आ रही है। उन्होंने कहा कि लॉर्ड मैकाले की शिक्षा नीति ने हमारी मानसिकता को कमजोर किया है। अब हमें राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के अनुरूप विश्वविद्यालयों में शिक्षा की व्यवस्था करनी होगी। हम सभी जानते हैं कि भारत में विश्वगुरु बनने की क्षमता है। पिछले कुछ वर्षों में पूरी दुनिया में भारत का मान-सम्मान एवं स्वीकार्यता बढ़ी है। भारत को देखने का दुनिया का नजरिया बदला है। वह दिन दूर नहीं, जब भारत फिर से विश्व गुरू कहलाएगा। उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने समारोह में कहा कि आज विद्यार्थी तनावग्रस्त और अवसादग्रस्त हो रहे हैं। अनेक अप्रिय घटनाएं हो रही हैं। इन्हें रोकने की जरूरत है। इनका समाधान भी राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 में है। उन्होंने छात्रों से आव्हान किया कि वे पढ़ाई को तनाव के रूप में न लें। छात्रों को कक्षा में आत्मविश्वास और ऊर्जा का माहौल मिलना चाहिए। विद्यार्थियों को राष्ट्रभक्त एवं आत्मविश्वास से परिपूर्ण नागरिक बनाने की जिम्मेदारी विश्वविद्यालयों की है। समारोह का शुभारंभ माँ सरस्वती और गुरु घासीदास जी की पूजा-अर्चना एवं दीप प्रज्जवलन से हुआ। तरंग बैंड के छात्र-छात्राओं ने सरस्वती वंदना एवं कुलगीत की प्रस्तुति दी। मंचस्थ अतिथियों का नन्हें पौधों से स्वागत किया गया।

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर के कुलपति प्रो. आलोक कुमार चक्रवाल ने अपने संबोधन में कहा कि परिवार के सदस्य की तरह उप मुख्यमंत्री श्री अरुण साव जी का सहयोग हमेशा विश्वविद्यालय को मिलता है। श्री साव सच्चे अर्थों में लोकनायक हैं। उन्होंने भारतीय विश्वविद्यालय संघ के पदाधिकारियों का अभिनंदन करते हुए कहा कि यह संघ भारत ही नहीं, पूरे विश्व में अपनी गतिविधियों के लिए जाना जाता है। यूनिवर्सिटी न्यूज की सम्पादक डॉ. एस. रमा देवी पाणी ने दो दिवसीय कुलपति समागम का प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। भारतीय विश्वविद्यालय संघ की महासचिव डॉ. (श्रीमती) पंकज मित्तल ने गुरु घासीदास विश्वविद्यालय की मेजबानी की प्रशंसा करते हुए कहा कि इस समागम में शामिल होने वाले सभी प्रतिभागियों का व्यक्तिगत रूप से ध्यान रखा गया। इसके लिए संघ विश्वविद्यालय का आभारी है।

रायगढ़ रेलवे स्टेशन का होगा कायाकल्प, हो रहा रोपमैप तैयार, वित्त मंत्री ओपी चौधरी ने किया निरीक्षण

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। वित्त मंत्री ओ.पी.चौधरी आज रेलमार्ग से बिलासपुर रेल मंडल के डीआरएम प्रवीण पांडेय सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारियों की टीम के साथ रायगढ़ रेलवे स्टेशन के निरीक्षण पर पहुंचे। इस मौके पर वित्त मंत्री ओ.पी.चौधरी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व और रेलवे मंत्री अश्वनी वैष्णव के मार्गदर्शन में रेलवे सुविधाओं के विस्तार को लेकर वृहद कार्ययोजना के साथ काम किया जा रहा है। इसका अधिकतम लाभ रायगढ़ रेलवे स्टेशन को मिले इसके लिए स्थानीय स्तर पर लॉन्गटर्म प्लानिंग के साथ रोडमैप तैयार किया जा रहा है। जिससे जल्द रायगढ़ रेलवे स्टेशन का कायाकल्प हो और यात्री सुविधाओं को विस्तार मिले।

वित्त मंत्री ओ.पी.चौधरी ने रायगढ़ रेलवे परिसर के मुख्य द्वार पर चल रहे निर्माण कार्यों का जायजा लिया। स्टेशन में सुविधाएं बढ़ाने और इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट को लेकर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने रेलवे स्टेशन में यात्रियों के लिए एक अन्य टिकट काउंटर शुरू करने, यात्रियों के लिए वैकल्पिक एंट्री मार्ग तैयार करने, निर्माणाधीन लाइन का काम पूरा करने, ट्रेनों की गति बढ़ाने और नये ट्रेनों के स्टापेज को लेकर भी अधिकारियों से चर्चा की। वित्त मंत्री चौधरी ने कहा कि हम यहां यात्रियों को कितनी बेहतर सुविधाएं दे सकते हैं इसके लिए सभी विकल्पों पर कार्य हो रहा है। वित्त मंत्री श्री चौधरी ने स्टेशन के आधुनिकीकरण को लेकर रेलवे की विभिन्न परियोजनाओं के संबंध में डीआरएम पांडेय से जानकारी ली। इस दौरान राजस्व विभाग का अमला भी मौजूद रहा।

गजानन्द मंदिर में झाड़ू लगाकर की साफ-सफाई

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। नगर पालिक निगम सीमा क्षेत्र अंतर्गत निरन्तर स्वच्छ तीर्थ अभियान' के तहत मंदिरों एवं धार्मिक स्थलों की साफ-सफाई जारी रहा।प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के आह्वान पर देशभर में स्वच्छता अभियान चलाया जा रहा है।ऐसे में छत्तीसगढ़ के नगर पालिक निगम दुर्ग शहर के मंदिरों और तीर्थ स्थानों पर स्वच्छता अभियान चलाया जा रहा है।इसी के तहत चौथा दिन महापौर धीरज बाकलीवाल ने नगर निगम आयुक्त लोकेश चन्द्राकर ने स्थानीय जनप्रतिनिधि एवं आमजनों के साथ गजानंद मंदिर में साफ-सफाई कर श्रमदान किया। उन्होंने वार्ड क्रमांक 12 शंकर नगर स्थित गजानन्द मंदिर पहुंचकर के दर्शन किए और दंडवत प्रणाम कर प्रदेश व शहर की सुख समृद्धि की कामना की।उन्होंने मंदिर परिसर में स्वच्छता अभियान के तहत झाड़ू लगाकर साफ-सफाई की ओर फिर पोझा लगाए।उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आव्हान पर देश भर के मंदिरों, तीर्थस्थानों में स्वच्छता अभियान चलाया जा रहा है। महापौर धीरज बाकलीवाल ने कहा कि गजानंद मंदिर परिसर में हम सभी लोगों ने साफ-सफाई की है। उन्होंने शहर के नागरिकों से अपील करते हुए कहा कि वे भी मंदिरों व तीर्थस्थानों में स्वच्छता अभियान चलाएं।भगवान राम के जन्मभूमि अयोध्या में श्रीराम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा होगी। इस दिन हम सभी को दीपावाली की तरह ही घरों में दीपक जलाकर रोशन करना है,उन्होंने कहा कि, छत्तीसगढ़ वहीं कोशल है,जिसकी बेटी, माता कौशल्या ने भगवान राम को जन्म दिया था।भगवान राम के इस ननिहाल में भी प्राण प्रतिष्ठा समारोह की खुशियां दिखे, ऐसा हम सबका प्रयास होना चाहिए।

भिलाई टाउनशिप की पानी टंकियों के निर्माण के लिए भूमि-पूजन संपन्न

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। बीएसपी के नगर सेवा विभाग द्वारा, सेक्टर 4 मेंटेनेंस आफिस के सामने के मैदान में टाउनशिप की 4 नई पानी टंकियों के निर्माण हेतु 19 जनवरी, 2024 को भूमिपूजन किया गया। जिसका औपचारिक तरीके से विधिवत भूमि पूजन, भिलाई इस्पात संयंत्र के कार्यपालक निदेशक पवन कुमार द्वारा किया गया। जिसमें उन्होंने पूजा पाठ कर सांकेतिक रूप से खुदाई कर निर्माण कार्य की शुरुवात की।

इस भूमि पूजन में, मुख्य महाप्रबंधक (परियोजनाएं) श्री अनुराग उपाध्याय एवं उप महाप्रबंधक (एनबीसीसी) श्री शैलेश कुमार विशेष अतिथि के रूप से उपस्थित थे। इस अवसर पर, मुख्य महाप्रबंधक (नगर प्रशासन एवं निगमित सामाजिक उत्तरदायित्व) जे वाय सपकाले, महाप्रबंधक प्रभारी (नगर सेवाएं विभाग) विजय कुमार शर्मा, महाप्रबंधक (परियोजनाएं) श्रीमती राधिका एस श्रीनिवासन, महाप्रबंधक (ईडी पी एंड ए सचिवालय) एच शेखर, महाप्रबंधक (नगर सेवाएं विभाग) विष्णु कुमार पाठक एवं उप महाप्रबंधक (नगर सेवाएं विभाग) डी सी सिंह सहित नगर सेवा विभाग के विभिन्न सेक्शन के कार्मिकगण उपस्थित थे।

चारो पानी टंकी के निर्माण कार्य की जिम्मेदारी, सार्वजानिक क्षेत्र की एक ईकाई, एनबीसीसी को दी गई है। इसमें सेक्टर-4 में दो तथा सेक्टर 1 व 5 में एक-एक पानी टंकी का निर्माण करना शामिल है। निर्माण कंपनी द्वारा उक्त कार्य को 9 महीने में पूर्ण किया जायेगा। प्रत्येक पानी टंकी की क्षमता 1875 क्यूबीक मीटर है। सार्वजानिक क्षेत्र की इकाई एनबीसीसी, इन्फ्रास्ट्रक्चर क्षेत्र में निर्माण हेतु एक विश्वस्त एवं अनुभवी कंपनी है। भिलाई इस्पात संयंत्र और एनबीसीसी इंडिया लिमिटेड ने तीन वर्ष की अवधि के लिए एक एमओयू साइन किया है। जिसके अंतर्गत, एनबीसीसी इंडिया लिमिटेड, भिलाई टाउनशिप एवं भिलाई माइंस में भावी इन्फ्रास्ट्रक्चर संबधित परियोजनाओं के लिए, कंसल्टेंसी एवं प्रोजेक्ट मैनेजमेन्ट सेवायें देगा। जैसे भिलाई टाउनशिप की पानी टंकियों का निर्माण, कम्पोजिट बिल्डिंग, सड़क निर्माण टाउनशिप के क्वार्टरों की मरम्मत एवं गैर आवासीय भवनों का रखरखाव व खेल सुविधाओं के पुनर्निर्माण में सेवायें प्रदान करना आदि। इस कंपनी को अभी टाउनशिप में, बड़े निर्माण कार्य जैसे 4 पानी टंकीयों का निर्माण तथा 7 ओवर हेड आरसीसी टैंक के संधारण हेतु कार्य दिया गया है।

हितग्राही मूलक योजनाओं का सभी पात्र लोगों तक पहुंचे लाभ-कार्तिकेया गोयल

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायगढ़। कलेक्टर कार्तिकेया गोयल ने आज कलेक्टोरेट सभाकक्ष में जिला व जनपद पंचायत के साथ विद्युत एवं क्रेडा विभाग की संयुक्त बैठक लेकर विभागीय योजनाओं के प्रगति की विस्तार से समीक्षा की। बैठक में सीईओ जिला पंचायत जितेन्दर यादव उपस्थित रहे।

कलेक्टर श्री गोयल ने कहा कि जिले के अधिकांश प्रमुख हितग्राही मूलक योजनाएं पंचायतों के माध्यम से संचालित होती है। लोगों को अधिकतम लाभ मिले, इसके लिए आवश्यक है कि पंचायत के सभी अमले जमीनी स्तर पर पूरी क्षमता से इन योजनाओं का क्रियान्वयन करें। कलेक्टर श्री गोयल ने सभी सीईओ जनपदों से कहा कि अपने स्तर पर लगातार कार्यों की मॉनिटरिंग करें। कही से भी लापरवाही की बात नहीं आनी चाहिए। कलेक्टर श्री गोयल ने पीएम आवास योजना ग्रामीण की समीक्षा करते हुए कहा कि पीएम आवास शासन की महत्वपूर्ण योजना हैं, इसमें अपूर्ण कार्य को अतिशीघ्र पूर्ण करें। कार्य में लापरवाही अथवा अनावश्यक विलंब बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। जिन मकानों के लिए राशि जारी हो गई है, उसका काम तत्काल पूर्ण करायें। कलेक्टर श्री गोयल ने धरमजयगढ़ तथा लैलूंगा विधानसभा में विशेष रूप से फोकस करते हुए काम करने के लिए कहा जिससे अपूर्ण आवास शीघ्र पूरे किये जा सकें। उन्होंने पिछले सप्ताह के दौरान हुए प्रगति को लेकर विभाग की सराहना की और कहा कि इसी गति से शेष आवासों का निर्माण भी पूरा करें। उन्होंने मनरेगा में 100 दिवस का रोजगार पूर्ण करने वाले परिवारों के प्रतिशत की जानकारी ली। उन्होंने कहा कि यह योजना गांवों में लोगों के रोजगार से जुड़ी है। इसमें प्राप्त लक्ष्य के विरूद्ध उपलब्धि को बढ़ाने के लिए कार्य करें। जिन विकासखण्डों में लक्ष्य पूर्ण नहीं हुए है वहां सीईओ जनपद विशेष रूप से इसके लिए प्रयास करें। कलेक्टर श्री गोयल ने बैठक में स्वच्छ भारत मिशन के कार्यों की भी समीक्षा की।

कलेक्टर श्री गोयल ने बैठक में राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के तहत जिले में प्रगतिरत कार्यों की जानकारी ली। जिले के विभिन्न विकासखण्डों में महिला स्व-सहायता समूहों के गठन, उनके द्वारा किए जा रहे कार्यों व समूह के बैंक लिंकेज के बारे में चर्चा की। उन्होंने स्व-सहायता समूहों की सदस्यों को योजना के तहत बीमे का लाभ दिलवाये जाने के संबंध में जानकारी ली। उन्होंने कहा कि बीमित व्यक्ति के निधन पर क्लेम का भुगतान तय समय-सीमा के भीतर हो जाना चाहिए। जिससे परिवारजनों को आर्थिक सहायता मिल सके। इसमें किसी प्रकार की लापरवाही न हो। इस दौरान उन्होंने जिले में कार्यरत बैंक सखी व उनके द्वारा किए गए भुगतान के बारे में जानकारी ली। बताया गया कि जिले में बैंक सखियों द्वारा इस वित्तीय वर्ष में 33 करोड़ 41 लाख रुपये का भुगतान हितग्राहियों को उनके घर पहुंचकर किया गया। कलेक्टर गोयल ने विद्युत विभाग की योजनाओं के बारे में जानकारी ली। रायगढ़ जिले में हाथी प्रभावित क्षेत्र में मिडस्पान पोल लगाने, केबल लगाने एवं अन्य व्यवस्थित कार्य के बारे में अद्यतन प्रगति के बारे में पूछा।

घर की चारदीवारी से निकल कर मैं मिसेज यूनिवर्स के खिताब तक पहुंची, तो आप भी साकार कर सकते हैं अपने सपने:प्रेरणा

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। फैशन और मॉडलिंग के विद्यार्थियों को मार्गदर्शन देने मैट्स फैशन यूनिवर्सिटी रायपुर ने गेस्ट लेक्चर के लिए मिसेज यूनिवर्स प्रेरणा धाबर्डे को आमंत्रित किया। इस दौरान प्रेरणा ने मॉडलिंग और फैशन के क्षेत्र में प्रवेश, इस की तैयारी और चुनौतियों पर विस्तार से बात की। की जाए इसकी जानकारी विशेष रूप से दी।

प्रेरणा ने बताया कि मॉडलिंग और फैशन की दुनिया में वर्तमान एवं भविष्य में रोजगार के असंख्य अवसर उपलब्ध है बस आपको सही तरीके से उचित गाइडेंस में आगे बढ़ाना है। उन्होंने अपने स्वयं के उदाहरण के द्वारा बताया कि मै एक घरेलू महिला अपने घर की रसोई की चारदीवारी से बाहर निकाल कर यूरोप पंहुची और 2022-23 में बल्गारिया में मिसेज यूनिवर्स बेस्ट परफॉर्मेंस और मिसेज यूनिवर्स सेन्ट्रल पेसिफिक एशिया का ताज हासिल किया। आज मैं एक बड़े ज्वेलरी ब्रांड की मॉडलिंग के साथ ही बॉलीवुड फिल्म में लीड रोल कर रही हूं, ऐसे में आप लोग भी अपने सपने साकार कर सकते हैं। प्रेरणा ने सफलता किस प्रकार संभव हो सकी इसके बारे में आवश्यक टिप्स भी दिए।

इस दौरान उपस्थित स्टूडेंट छात्रों और छात्राओं ने इस गेस्ट लेक्चर से प्रभावित होकर अपने आप को ट्रांसफॉर्म करने का निर्णय लिया। सभी स्टूडेंट अपने आत्मविश्वास, टेलेन्ट और टाइम का सही उपयोग कर सफल होकर, अपना और देश का नाम रोशन करने हेतु प्रतिबद्ध दिखे।मैट्स यूनिवर्सिटी के फैशन डिजाइनिंग विभाग की प्रमुख परविंदर कौर ने मल्टी टैलेंटेड मिसेज यूनिवर्स प्रेरणा धाबर्डे को शाल और स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया।

मथुरावासी चाट सेंटर
शादी एवं पार्टियों के आर्डर लिए जाते हैं।
9893283525
जैन पान ठेला के सामने आकाश गंगा सुपेला

Jaquar Roca Parryware AJAY FLOWLINE
Shri Vijay Enterprises
Sanitarywares, Tiles, CPVC Pipes & Bathroom Fittings etc.
Supela Market, Bhilai
PH. 0788-4030909, 2295573

CAR DECOR
House Of Exclusive Seat Cover, Car Stereos Matting & Sun Control Film & Other Accessories
Shop No.3 Nafish Tower. Opp. Indian Coffee House, Akashganga, Bhilai
Mo.9300771925, 0788-4030919
K. Satyanarayan

ॐ SAIRAM
Mobile Accessories
मोबाईल शॉप में कार्य करने हेतु लड़को की आवश्यकता है
7000415602
Shop No. 78, Himalaya Complex, Supela, Bhilai

ROCKEY INDUSTRIES
FURNITURE PALACE
Deals in: (Steel & Wooden) Luxury & Imported Furniture
Akash Ganga, Supela, Bhilai Ph. 2296430

दास गार्मेन्ट्स
जींस, शर्ट, टी-शर्ट, फ्राक सूट, फ्राक, फैंसी सलवार सूट एवं किट्स वियर,अंडर गारमेन्ट्स, गाउन के लेटेस्ट कलेक्शन
एक बार अवश्य पधारें
गणेश मार्केट, गुरुद्वारा, रोड सुपेला, भिलाई, 7828248067

Ashok JEWELLERY
Gifts ● Toys ● Cosmetics
Perfumes ● Sia Jewellery
Beside Parakh Jewellers, Akash Ganga, Supela, Bhilai
Hello: 0788-4052727
Mukesh Jain 9009959111
Rishabh Jain 8103831329

खास खबर

ओडिशा के 5 तस्करों से पैंगोलिन जब्त किया

धमतरी (ए)। सीतानदी-उदंती अभयारण्य की एंटी पोलिंग टीम ने दुर्लभ वन्य प्राणी पैंगोलिन जिंदा बरामद किया। इस मामले में ओडिशा के 5 तस्करों को वन विभाग ने पकड़ा। आरोपियों को पकड़ने में यह सफलता नगरी एसडीओपी की मदद से हुई। तस्करों से 3 बाइक, 3 मोबाइल जब्त हुआ है। आरोपियों को रिमांड पर भेजा गया। सीतानदी उदंती अभयारण्य के उपनिर्देशक वरुण जैन को मुखबिरों से सूचना मिली की ओडिशा के तस्करों के पास एक दुर्लभ जिंदा पैंगोलिन है। जिसे बाजार में बेचने ग्राहक की तलाशी हो रही है। 18 जनवरी को एंटी पोचिंग टीम अलर्ट हुई। टीम परिक्षेत्र इंदागांव बफर सीमा से 5 किमी दूर ओडिशा के नंगलबोड़ पहुंची। जहां दिनेश(43) मांझी, तुरपन (61) मांझी, चैतन्य(57) मांझी को एक जिंदा पैंगोलिन (सालखपरी) के साथ पकड़ा, जिसका वजन करीब 12.450 किलो है।

आरोपियों से 3 बाइक, 3 मोबाइल जब्त किए। छत्तीसगढ़-ओडिशा की संयुक्त टीम द्वारातीनों आरोपियों से पूछताछ हुई। इसी मामले में शुक्रवार को 2 और तस्कर पकड़े गए। पैंगोलिन की तस्करी दुनिया में सबसे ज्यादा पैंगोलिन नेपाल, श्रीलंका, भूटान और भारत के पहाड़ी और हल्के मैदानी क्षेत्रों में पाया जाता है। भारत में इसे सल्लू सांप भी कहा जाता है। यह एक विलुप्त दुर्लभ प्रजाति का जीव है, जो ज्यादातर एशिया और अफ्रीका में पाया जाता है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में इसकी कीमत करोड़ों रुपए में होने के कारण भी पेंगोलिन की तस्करी जमकर की जाती है।

स्मार्ट और हाईटेक पुलिसिंग की ओर दुर्ग पुलिस अवेयरनेस प्रोग्राम साइबर प्रहरी की शुरुआत

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। स्मार्ट और हाईटेक पुलिसिंग की ओर दुर्ग पुलिस ने एक और कदम बढ़ा दिया है। पुलिस महानिरीक्षक दुर्ग रेंज बद्री नारायण मीणा के निर्देशन में दुर्ग एसपी रामगोपाल गर्ग द्वारा 'साइबर प्रहरी' जागरुकता अभियान का कंट्रोल रूम भिलाई से शुभारंभ किया गया। साथ ही एसपी ने सशक्त मोबाइल ऐप भी लॉन्च किया है। अब डिजिटल बीट पुलिसिंग के तहत स्मार्ट वर्क के साथ दुर्ग पुलिस काम करेगी। शुभारंभ के अवसर में सर्वप्रथम साइबर प्रहरी जागरुकता अभियान में बुक एवम पोस्टर का विमोचन किया गया।

इस अवसर पर दुर्ग एसपी राम गोपाल गर्ग ने साइबर प्रहरी अभियान के बारे में बताते हुए कहा कि साइबर प्रहरी जागरूकता अभियान के अंतर्गत जिला दुर्ग के सभी थानों में डिजिटल बीट पुलिसिंग के तहत स्मार्ट वर्क के साथ दुर्ग पुलिस काम करेगी। बीट सिस्टम वाइस व्हाट्सएप ग्रुप बनाया गया है, जिसमें अभी तक कुल 45000 से अधिक लोगों को जोड़कर प्रतिदिन फोटो, वीडियो और पोस्ट के माध्यम से साइबर क्राइम के नित्य ने अपराधों के बारे में जागरूक कराया जा रहा है, जिसमे अभी पायलट प्रोजेक्ट के तहत कार्य किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि दुर्ग पुलिस नागरिकों को साइबर अपराधों से बचाव के लिए साइबर प्रहरी के नाम से अभियान पूरे जिले में चला रही है। इस कार्यक्रम के माध्यम से ज्यादा से ज्यादा व्यक्तियों तक पहुंचने एवं जागरूक करने की कोशिश है तथा इस कार्यक्रम का उद्देश्य लोगों में सजगता एवं चेतना के माध्यम से साइबर अपराधों को नियंत्रित करना है।

त्रिनयन व सशक्त ऐप भी लॉन्च

इस मौके पर दुर्ग पुलिस द्वारा त्रिनयन व सशख्त ऐप भी लॉन्च किया है। त्रिनयन ऐप दुर्ग जिले के लिए विकसित सीसीटीवी कैमरा का डेटाबेस है जो तेजी से अपराध सुलझाने के लिए पुलिस को सशक्त बनता है। यह घटनास्थल के आस पास लगे सीसीटीवी की भौगोलिक जानकारी पुलिस को प्रदान करेगा जिससे अपराधियों को शीघ्र खोजने में सहायता होगी, तथा दुर्ग जिले को सुरक्षित बनाए रखने में यह महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। अब तक इस एप्लीकेशन में जिले के 626 सीसीटीवी कैमरा जोड़ा गया है। तथा प्रतिदिन इसमें नए कैमरा लोकेशन जोड़ी जा रही है। यह एप्लीकेशन दुर्ग पुलिस के लिए गूगल के प्ले स्टोर पर अवेलेबल है। इसी प्रकार सशक्त ऐप स्मार्ट पुलिसिंग की दिशा में दुर्ग पुलिस का एक और कदम इस एप में कानून की सभी धाराओं से लेकर चोरी गए वाहनों के रिकार्ड, विभागीय परिपत्र दर्ज किए जा रहे हैं।

साइबर अपराधों से संबंधित प्रदर्शनी भी लगाई

साइबर प्रहरी जागरूकता अभियान के अंतर्गत पुलिस कंट्रोल रूम भिलाई सेक्टर 6 में वर्तमान में होने वाले नए साइबर अपराधों के बारे में बताते हुए प्रदर्शनी भी लगाई गई। जिसे एसपी राम गोपाल गर्ग, एएसपी शहर अभिषेक झा, एएसपी ग्रामीण अनंत कुमार, एएसपी क्राइम डॉ. अनुराग झा सहित समस्त राजपत्रित अधिकारी थाना प्रभारी, एक्स आर्मी संघ व आम लोगों ने खूब सराहा है। साइबर प्रहरी अभियान को अभी पायलट प्रोजेक्ट के रूप में चला कर आगे अधिक से अधिक लोगों को जोड़ने के लिए एसपी गर्ग के द्वारा पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों से अपील की गई है जिससे वह लगातार बढ़ रहे साइबर क्राइम में कमी लाई जा सके। इस जागरूकता अभियान के संपूर्ण कार्यक्रम के नोडल अधिकारी अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शहर अभिषेक झा, साइबर थाना उपनिरीक्षक डॉ. संकल्प राय एवम साइबर के तकनीकी शाखा के कर्मचारियों का विशेष योगदान रहा है।

निर्माणाधीन फैक्ट्री के मालिक को रॉड व पत्थर से पीटा निर्माणाधीन उद्योग के विरोध में पहुंचे थे युवक, अपराध दर्ज

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। जामुल थाना क्षेत्र के अंतर्गत हाउसिंग बोर्ड एसबीआई बैंक के पीछे निर्माणाधीन उद्योग के साथ बस्ती के युवकों द्वारा मारपीट किए जाने का मामला सामने आया है। घटना शुक्रवार की बताई जा रही है। जहां उद्योग का निर्माण चल रहा है वहां बस्ती के कुछ युवक पहुंचे और गाली गलौच करते हुए मारपीट शुरू कर दी। इस घटना में निर्माणाधीन उद्योग के संचालक विनय अग्रवाल को गंभीर चोटें आई हैं जिन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया। वहीं इस मामले में पीड़ित के भाई की शिकायत पर जामुल पुलिस ने नीरज गुप्ता, पंकज, वाहिद व अन्य के खिलाफ धारा 294, 323, 34, 506 के तहत अपराध दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

जामुल पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार प्रार्थी जोन 2, सेक्टर-11 खुर्सीपार निवासी अजय अग्रवाल ने इस संबंध में शिकायत दर्ज कराई है। उन्होंने अपनी शिकायत में बताया कि उनके छोटे भाई नेहरू नगर निवासी विनय अग्रवाल का हाउसिंग बोर्ड एसबीआई बैंक के पीछे औधोगिक क्षेत्र में 98H-01/ उद्योग के लिए अलॉट की हुई जमीन है जिसका डीआईसी से पंजीयन भी है। उक्त प्लॉट पर जानवी इण्डस्ट्रीज नाम से फैक्ट्री का निर्माण कार्य चल रहा है।

जामुल पुलिस के अनुसार उन्होंने अपनी शिकायत में बताया कि शुक्रवार 19 जनवरी को विनय अग्रवाल के फैक्ट्री में काम करने वाले कर्मचारी ने बताया कि उनके भाई के साथ बस्ती के युवकों ने मारपीट की। 112 की मदद से उन्हें अस्पताल पहुंचाया गया। अस्पताल में विनय अग्रवाल ने बताया कि शुक्रवार करीब 4 बजें फैक्ट्री में निर्माण कार्य चल रहा था। उनके साथ प्रमोद अग्रवाल भी मौजूद था। इस बीच वहां की बस्ती के युवक नीरज गुप्ता, पंकज, वाहिद अपने साथियों के साथ पहुंचे और यहां फैक्ट्री नहीं बनाना है कहते हुए गाली गलौच करने लगे।

विनय अग्रवाल ने कहा कि यह फैक्ट्री जमीन उसकी है और उद्योग लगाने के लिए ही उसने पंजीयन भी कराया है। इसे लेकर दोनों पक्षों में काफी बहस होती रही। इसके बाद युवक भड़क गए और विनय अग्रवाल व प्रमोद अग्रवाल के साथ मारपीट की। मारपीट करने से विनय अग्रवाल के दाहिने पैर, सिर में चोट आने बेहोश होकर गिर गया एवं प्रमोद अग्रवाल के नाक एवं दाहिने कंधे में चोट आई है। दोनों को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। फिलहाल इस मामले में जामुल पुलिस ने अपराध दर्ज कर लिया है।

चार साल पुरानी हत्या का खुलासाः शादी के लिए दबाव बनाने पर गर्भवती प्रेमिका की हत्या

श्रीकंचनपथ न्यूज

कोरबा। शादी का दबाव बनाने पर गर्भवती प्रेमिका की हत्या का मामला सामने आया है। घटना कोरबा जिले के लेमरु थाना क्षेत्र की है। चार साल पहले हुई हत्या का मामला पुलिस ने सुलझा लिया है। इस मामले में पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। कोरबा की लेमरु पुलिस ने सायबर सेल की मदद से हत्या की उस गुत्थी को सुलझा लिया है जिसे सुलझाना किसी चुनौती से कम नहीं थी। 29 वर्षीय अनसेलम ने घटना को अंजाम दिया था। आरोपी के निशानदेही पर पुलिस ने जंगल से नर कंकाल जब्त किया है।

मिली जानकारी के अनुसार 20 वर्षीय असीमा बड़ा की चार साल पहले परिजनों ने लेमरू थाना में गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई थी। कोरबा एसपी के निर्देश पर गुम मामले के निराकरण के दौरान मामले का खुलासा हुआ। लेमरु थाना पुलिस ने बताया कि ग्राम उबहार निवासी 20 वर्षीय युवती असीमा बड़ा का गांव में ही रहने वाले 29 वर्षीय अनसेलम लकड़ा से प्रेम प्रसंग था। दोनों के बीच पहले दोस्ती हुई फिर दोस्ती प्यार में बदल गई जिसके बाद दोनों एक दुसरे से बेहद प्यार करने लगे। दोनों के परिवार में बात नहीं बनी, कुछ दिनों बाद युवती गर्भवती हो गई।

युवती शादी के लिए दबाव बनाने लगी युवक परेशान था युवक ने युवती को बच्चा गिराने को भी कहा लेकिन युवती ने मना कर दिया। इसके बाद युवक ने युवती को मौत के घाट उतारने गांव से दूर लेमरू जंगल मे घुमाने ले कर गया जहां सुनसान जगह पर युवती का गला घोंट कर मौत के घाट उतार दिया और खाई में लाश को फेंक दिया। मृतिका के परिजनों ने लापता होने की सूचना पुलिस को दी जहां बताया गया की युवती कोरबा जाने के नाम से निकली हुई थी और वापस नहीं लौटी है। चार साल बाद गुमशुदगी मामले को एसपी ने गंभीरता से लिया और विशेष टीम बनाकर जांच शुरु करवाई। इस दौरान पता चला, कि मृतका की जब हत्या की गई थी, तब वह दो माह की गर्भ से थी और अनसेलम लकड़ा ने उसका गर्भपात कराया। हालांकि यह बात उसने सब से छिपाई थी और उसकी हत्या कर लाश को खाई में फेंक दिया था। जिसके बाद पुलिस ने आरोपी प्रेमी अनसेलम लकड़ा को हिरासत में लेकर पूछताछ की तब पूरे मामले का खुलासा हो गया।

महिला समूह बनाकर ठगी, शातिर ने पहले झांसा दिया फिर अपने खाते में ट्रांसफर कराई रकम, आरोपी गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। दुर्ग शहर में महिला समूह बनाकर उनके रुपए बैंक से गबन करने का मामला सामने आया है। शातिर ने खुद को फाइनेंस कंपनी का अधिकारी बताया और समूह की महिलाओं को 1 फीसदी ब्याज पर लोन देने का झांसा देकर पहले बैंक खाता खुलवाया और उसके बाद रुपए जमा करवाए। महिलाओं ने समूह बनाकर 90 हजार रुपए जमा किए। बाद में पता चला उक्त रुपए को शातिर ने अपने खाते में ट्रांसफर लिया है। मामले में शिकायत के बाद पुलिस ने अपराध दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। अपराध में एक नाबालिग भी शामिल है उसे भी अभिरक्षा में लिया गया।

मामला कोतवाली थाना दुर्ग का है। पीड़ित नंदिता कौशल ने 26 दिसंबर को थाना पहुंचकर एक लिखित शिकायत दी। उन्होंने अपनी शिकायत में बताया कि 17 दिसंबर 2023 को एक व्यक्ति अपने साथी के साथ राजीव नगर दुर्ग अपनी पल्सर बाइक से पहुंचा। उसने अपना नाम रोशन साहू(असली नाम जदगीश साव) बताया। उसने अपने आपको लैडिंग कार्ड फायनेंस रायपुर का कर्मचारी बताया और कहा कि उनकी कंपनी महिलाओ को आत्म निर्भर बनाने एवं व्यवसाय के लिए प्रोत्साहित करती है। इसके बाद उसने महिला समूह का छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण बैंक में खाता खुलवाकर कम से कम 01 लाख रुपए रकम जमा करने पर प्रति महिला को 4 से 5 लाख रूपए का लोन मात्र एक प्रतिशत ब्याज पर दिलाने का भरोसा दिलाया। महिलाएं उसके झांसे में आ गई। इसके दूसरे दिन 18 दिसंबर 2023 को उसने मीटिंग ली। उस पर भरोसा कर पांच महिलाओं ने अपना समूह बनाया और कांति साहू के नाम से छग राज्य ग्रामीण बैंक शाखा दुर्ग में खाता खुलवाया। खाते में 90,000 रुपए जमा करा दिए। कुछ दिन बाद बैंक खाता चेक किया तो पता चला कि खाते से रुपए जगदीश साव ने अपने खाते में ट्रांसफर करा लिए। इस मामले में शिकायत पर धारा 420, 34 के तहत अपराध दर्ज कर जांच शुरू की गई।

जांच के दौरान प्रार्थिया एवं आरोपी के बैंक खाता का संबंधित बैंको से खाता डिटेल ली गई। इसके बाद सायबर सेल भिलाई की मदद से टेक्निकल आधार पर आरोपी की पता तलाश शुरू किया गया। 17 जनवरी 2024 को सायबर सेल की टेक्निकल जानकारी के आधार पर व मुखबिर की निशानदेही पर संदेही आरोपी जगदीश साव उर्फसाहू पिता सोनसाय साव (21) निवासी ग्राम खुर्सीपहर, थाना बसना जिला महासमुंद हाल पता काली मंदिर के पास श्याम नगर ढीमर पारा रायपुर जिला रायपुर व उसके सहयोगी नाबालिग हिरासत में लेकर थाने लाया गया।

पूछताछ में उसने नाबालिग के साथ मिलकर घटना को अंजाम देना स्वीकार किया। आरोपी ने बताया कि महिला समूह के खाता खोलने की जानकारी व खाता क्रमांक प्राप्त कर उसने नेट बैंकिंग चालू करा लिया। इसके बाद एक बेनीफिसरी खाता बनाकर जमा रकम को धोखे से अपने बैंक खाता में ट्रांसफर करा लिया। पुलिस ने घटना में प्रयुक्त मोबाइल, सिमकार्ड, आधार कार्ड, एटीएम कार्ड, फर्जी विजीटिंग कार्ड अन्य दस्तावेज, नगदी रकम एवं मोटर सायकल जब्त कर लिया। दोनो आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है।

कार्यालय, कार्यपालन अभियंता, ग्रामीण यांत्रिकी सेवा संभाग बालोद
Phone No. 07749-222370, Email Id :- ee-res.balod@gov.in

(E-Tender) सूचना प्रथम बार

क्रमांक/51/व.ले.लि./ग्रा.यां.से./2023-24 बालोद, दिनांक 18.01.2024

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल के ओर से एकीकृत पंजीयन प्रणाली के अंतर्गत लोक निर्माण विभाग में "डी" वर्ग एवं उच्च श्रेणी में ठेकेदारों पंजीकृत ठेकेदारों से प्रपत्र-"अ" पर दर्शित कार्य हेतु प्रतिशत दर प्राप्त करने ऑनलाईन ई-निविदा दिनांक 02.02.2024 तक आमंत्रित की जाती है।

कार्य पूर्ण करने की अवधि 03 माह वर्षा ऋतु सहित

क्रमांक	कार्य का नाम एवं स्थल	ठेके की अनुमानित लागत लाख रु. में	धरोहर राशि रू. में
1	2	3	4
1	गहागाया पहुंच मार्ग निर्माण कार्य ग्राम महामाया ग्राम पंचायत कुमुडकट्टा विकासखण्ड डौण्डी Tender No. 151745	47.22	35420/-

उपरोक्त कार्य की निविदा की सामान्य शर्तें, धरोहर राशि, विस्तृत निविदा, निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारी ई-प्रोक्योरमेंट वेब पोर्टल https://eproc.cgstate.gov.in में दिनांक 18.01.2024 से देखी जा सकती है।

कार्यपालन अभियंता
ग्रामीण यांत्रिकी सेवा संभाग बालोद
जिला-बालोद (छ.ग.)

जी-07217/4

सेक्टर-6 एंव रिसाली के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करें:- 9303289950, 9827806026, 8962815243

दुल्हन बैंगल्स & फैंसी
RAKESH SINGH
Mob.-9840760388
7987759030
Specialist : Wedding mix match bangles, Glass bangle, Plastic bangle. Saree pin, Bindi, Rubber Band. Bracelet, Butter Fly, Ear ring and many more
पुष्पांजलि स्वीट्स के बाजू में, कृष्णा टाकिज रोड, रिसाली, भिलाई

Galaxy Granite
WholeSaler & Retailer
रायपुर से कम दामों में
All Type Of Tiles : Wall Tiles, Floor Tiles, Granite Sanitary & Null Fitting
सभी प्रकार के टाईल्स और ग्रेनाईट मिलने का एक मात्र स्थान कोई भी टाईल्स लेने से पहले एक बार अवश्य पधारे...
Raja Steel Traders, Krishna Talkies, Road, Side of ZEE Maha Sale, Risali, Bhilai - 490006
K.K. Soni - 77479-88643, 9109509095

भिलाई मसाला उद्योग
शुद्ध कुटे हुए मसाले,पापड़, अचार, बड़ी, जड़ी-बूटी, जचकी का सामान इत्यादि
128, ए- मार्केट, सेक्टर-6, भिलाई, फोन. 2284508, मो. 9826137766

राकेश ट्रेडर्स
विगत 6 वर्षों से यह दुकान पानी टंकी के सामने स्थानांतरित हो गई है।
Dealers
Marbles, Grinight, Black Stone, Nano & Double Charge Verified Tiles Digital Wall & Floor Tiles Cement Coloru etc.
रायपुर रेट पर माल उपलब्ध | Rakesh Sahu 9302443750, 9907127357
Krishna Talkies Road, Beside Hariom Furniture, Risali, Bhilai - 490006

भिलाई की सबसे बड़ी चुड़ी की दुकान
निखार बैंगल
मो.- 9826186026
Shop-47, 'A' Market, Sec-6, Bhilai Nagar, Distt., Durg (C.G.)

भारतीय बैग हाउस
फैंसी स्ट्राली, स्कूल बैग, ऑफिस बैग, सफर बैग, लेपटॉप बैग, फैंसी छतरी, रेनकोट इत्यादि के विक्रेता
VIP happy journey
AMERICAN TOURISTER
कृष्णा टाकीज रोड, बैंक ऑफ बडौदा के बाजू में रिसाली भिलाई, संजय गुप्ता : 93003-77572

खास - खबर

निगम में हुए तबादले, आयुक्त ने जारी किया आदेश, अब दुर्गेश गुप्ता होंगे बाजार अधिकारी

दुर्ग। नगर पालिक निगम में प्रशासनिक फेरबदल किया गया है। बता दें कि बाजार अधिकारी जावेद अली को हटाकर उनके स्थान पर दुर्गेश गुप्ता को बाजार विभाग का प्रभार सौंपा गया है।नगर निगम आयुक्त लोकेश चन्द्राकर के आदेश पर प्रशासनिक व्यवस्था एवं विभागीय कार्य सुचारू रूप से सम्पादन की दृष्टि से आगामी आदेश पर्यन्त उपायुक्त मोहेन्द्र साहू को राजस्व अधिकारी का प्रभार सौपा गया है।स्वास्थ्य अधिकारी जावेद अली को बाजार विभाग के समस्त प्रभार से मुक्त कर उनके स्थान पर राजस्व निरीक्षक दुर्गेश गुप्ता को पूर्व में सौपे गये दायित्वों के साथ-साथ आगामी आदेश पर्यन्त बाजार अधिकारी का प्रभार सौपा गया है।इसके अलावा प्रभारी सहायक अभियंता गिरीश दीवान अपने मूल कार्यों के साथ-साथ कर्मशाला विभाग के समस्त टेण्डर प्रकिया एवं कर्मशाला विभाग के समस्त कार्यों को अपने नियंत्रण में कार्य सम्पादन करने नोडल अधिकारी का दायित्व सौपा गया है।

निगम को मिली नई 2 जेसीबी व 3 चैन माउंटेन, विकास कार्यों व सफाई में मिलेगी मदद

दुर्ग। नगर पालिक निगम में दो नई जेसीबी व तीन चैन माउंटेन मशीन शामिल हुई है। महापौर धीरज बाकलीवाल,आयुक्त लोकेश चन्द्राकर,सहायक अभियंता व भवन अधिकारी गिरीश दिवान,जितेंद्र समैया ने विधि विधान से पूजा अर्चना की। पहले निगम में केवल पांच ही जेसीबी थी जिम्मेदारी से हो रख-रखव किया गया। महापौर ने बताया की निगम क्षेत्रों के बड़े पैमाने में कार्य को देखते हुए पांच जेसीबी से शहर के विकास कार्यों एवं सफाई कार्य में परेशानी आती थी। अब और दो नई जेसीबी क्रय करने से शहर में झाड़ियों की कटाई,जमीन की लेवलिंग,भर्ती भराई,अतिक्रमण हटाने एवं नाला सफाई कार्य में सहयोग मिलेगा। महापौर ने आगे कहा कि जेसीबी का रख-रखाव पूरी जिम्मेदारी से किया जाए।

चाट गुपचुप ठेलों का निरीक्षण करने पहुंचे विधायक रिकेश सेन

बिना ग्लब्स चाट-गुपचुप खिलाने वालों को दी समझाईश, नही माने तो लगेगा 1000 का जुर्माना

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। वैशाली नगर विधायक रिकेश सेन ने चाट गुपचुप बेचने वालों पर 1000 रुपए व यहां खाने वालों पर 500 रुपए जुर्माना लगाने का निर्देश दिया है। उन्होंने निगम के खाद्य विभाग के अफसरों को बुलाकर इस संबंध में कड़ा एक्शन लेने कहा है। दरअसल विधायक रिकेश सेन ने ऐसा इसलिए किया क्योंकि वे शुक्रवार को अचानक शहर के चाट गुपचुप ठेलों के पास पहुंचे।

इस दौरान ठेलों में व्याप्त गंदगी व वेंडर द्वारा बिना ग्लब्स के गुपचुप खिलाना देखा। इस दौरान उन्होंने चाट-गुपचुप ठेले के वेंडर्स को समझाइश दी और दोबारा ऐसा करते पाए जाने पर 1000 रुपए का जुर्माना लगाने का निर्देश दिया। साथ ऐसे जगह पर गुपचुप खाने वालों पर भी 500 रुपए जुर्माना लगाने कहा।

बता दें इन दिनों एक बार फिर से कोरोना संक्रमण का खतरा बढ़ा है। क्षेत्र में संक्रामक बीमारियों से लोगों को बचने और पिछले दिनों कोरोना संक्रमण के मद्देनजर शुक्रवार की शाम को वैशाली नगर विधायक रिकेश सेन शहर के मुख्य चौक चौराहों पर तथा बाजार क्षेत्र में लगने वाले चाट गुपचुप के ठेलों पर पहुंचे। इस दौरान उन्होंने देखा कि कई वेंडर्स बिना ग्लब्स के ग्राहकों को चाट गुपचुप सर्व कर रहे हैं। इसके बाद विधायक ने तत्काल निगम स्वास्थ्य अधिकारी धर्मेंद्र मिश्रा को फोन किया और टीम भेज कर स्ट्रीट वेंडर्स को साफ सफाई का पूरा ध्यान रखने और लोगों को भी इस संबंध में जागरूक करने के निर्देश दिए।

समझाइश दे फिर लगाएं जुर्माना

विधायक सेन ने निगम स्वास्थ्य अधिकारी को निर्देशित किया कि बिना ग्लब्स चाट गुपचुप और खाद्य सामाग्री परोसने वालों को समझाइस दें तथा जो नहीं मानते उन पर एक हजार रुपए का जुर्माना लगाएं। साथ ही ऐसे दुषित खाद्य का सेवन करने वाले ग्राहकों से भी 500 रूपये का दण्ड वसूला जाए। विधायक ने वायरल विडियो में वाट्सअप नंबर प्रचारित कर लोगों से अपील भी की हैं कि वो ऐसे स्ट्रीट वेंडर्स और चाट गुपचुप खाने वाले ग्राहकों की शिकायत कर सकते हैं।

वीडियो जारी कर की लोगों से अपील

विधायक रिकेश सेन ने स्वयं भी विडियो के माध्यम से लोगों से अपील करते हुए कहा कि वे साफ सफाई के अभाव में दूषित ढंग से खाद्य सामग्री विक्रय करने वालों को स्वयं भी सचेत करें। ऐसे लोगों की सूचना या शिकायत स्वयं करें ताकि इस दिशा में जनजागरण हो सके और विभिन्न संक्रामक रोगों से लोग सुरक्षित रहें। विधायक सेन ने लोगों से निवेदन किया कि बहुत सारी अव्यवस्थाओं को दुरूस्त करने हम सभी को आपस में सहयोग करना होगा। सभी साथ में पहल करें तो हमारा शहर स्वच्छ और संक्रमण से सुरक्षित होगा।

बीएसपी के 567 कार्मिक व अधिकारी हुए सम्मानित

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र के नेहरू अवार्ड योजना के तहत, 19 जनवरी 2024 को 3 वर्गों में संयंत्र के कुल 567 कार्मिकों व अधिकारियों को जवाहर पुरस्कार, नेहरू पुरस्कार और समूह में जवाहर लाल नेहरू पुरस्कार से सम्मानित किया गया। नेहरू पुरस्कार का वितरण, भिलाई इस्पात संयंत्र के कर्मचारियों के उत्कृष्ट और सराहनीय कार्यों की सराहना एवं उनके उत्साहवर्धन हेतु दिया जाता है।

भिलाई के इस्पात बिरादरी के लिए आज का दिन बेहद महत्वपूर्ण हो जाता है, जब उनके कर्मचारी कठिन कार्य को भी सामान्य तरीके से क्रियान्वित कर, संयंत्र की प्रगति में अपना अमूल्य योगदान देकर ये सम्मान प्राप्त करते हैं। इस समारोह के मुख्य अतिथि संयंत्र के निदेशक प्रभारी अनिर्बान दासगुप्ता थे। समारोह में संयंत्र के कार्यपालक निदेशक अंजनी कुमार, कार्यपालक निदेशक एस मुखोपाध्याय, कार्यपालक निदेशक अजय कुमार चक्रबर्ती, कार्यपालक निदेशक डॉ अशोक कुमार पंडा, कार्यपालक निदेशक समीर स्वरुप, कार्यपालक निदेशक पवन कुमार, कार्यपालक निदेशक बी के गिरी एवं मुख्य चिकित्सा अधिकारी प्रभारी डॉ एम रविन्द्रनाथ उपस्थित थे।

इसके साथ ही समारोह में संयंत्र के विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारीगण, आफिसर्स एसोसिएशन के पदाधिकारीगण, विभिन्न श्रमिक संगठनों के प्रतिनिधिगण, पुरस्कार विजेता एवं उनके परिवार के सदस्यगण शामिल थे। नेहरू पुरस्कार वितरण समारोह 2023 में, जवाहर पुरस्कार की श्रेणी में 32 अधिकारियों को व्यक्तिगत पुरस्कार के रुप में जवाहर पुरस्कार, नेहरू पुरस्कार की श्रेणी में 65 कार्मिकों को उनके व्यक्तिगत योगदान के लिये, तथा जवाहर लाल नेहरू समूह पुरस्कार की श्रेणी में कुल 60 समूहों को सम्मानित किया गया। इस तरह कुल 567 कर्मचारियों ने संयंत्र की उपलब्धि में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाने के लिए नेहरु पुरस्कार प्राप्त किया। संयंत्र के निदेशक प्रभारी श्री अनिर्बान दासगुप्ता ने सभी को संबोधित कर बधाई देते हुए, अपने प्रेरणादायी व सारगर्भित उद्बोधन में सभी विभागों एवं समस्त पुरस्कार विजेताओं के योगदान को रेखांकित करते हुए कहा, कि मैं आज सम्मानित होने वाले सभी कार्मिकों, अधिकारियों और उन सभी विभागों को बधाई देता हूं, जिन्होंने हमारे कर्मचारियों को इस पुरस्कार हेतु अनुशंसित और प्रेरित किया है। ये अवसर हमारे एवं हमारे कर्मचारियों के लिए गर्व की बात है।

सेल के स्थापना काल से ही इसके सभी सम्बद्ध संयंत्रों में यह पुरस्कार दिया जाता रहा है। इसी कड़ी में उन्होंने कहा, कि सेल हमेशा से एक बेहतरीन एम्प्लॉयर के रूप में जाना जाता है, जिसने कार्य संस्कृति को हमेशा ही उत्कृष्ट बनाये रखा है। इसलिए अभी हाल ही में, सेल को ग्रेट प्लेस टू वर्क का सर्टिफिकेट मिला है। उन्होंने कहा, जब हनुमान जी अपनी ताकत को भूल गए थे और जामवंत के याद दिलाने पर उनके अंदर का हनुमान जगाया था।

प्रेरक है आचार्य चाणक्य का व्यक्तित्व और कृतित्वः डॉ. शर्मा

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। वर्ल्ड ब्राह्मण फेडरेशन छत्तीसगढ़ और सर्व युवा ब्राह्मण परिषद् छत्तीसगढ़ के संयुक्त तत्वावधान में आचार्य चाणक्य स्मृति दिवस का भव्य आयोजन विगत दिनों राज्य की राजधानी रायपुर के वृन्दावन हाल में किया गया। विप्र विधायकों के सम्मान, विद्वानों के व्याख्यानों के साथ सांस्कृतिक एवं धार्मिक प्रश्नोत्तरी के भी रोचक एवं ज्ञानवर्धक कार्यक्रम में सबने सक्रिय भागीदारी निभाई।

वर्ल्ड ब्राह्मण फ़ेडरेशन के प्रदेशाध्यक्ष अरविन्द ओझा एवं महिला शाखा अध्यक्षा नमिता शर्मा ने मंच पर अतिथियों का स्वागत किया। वर्ष भर की गतिविधियों से भी अवगत कराया गया। प्रांतीय महासचिव अजय अवस्थी, मुख्य अतिथि एवं रायपुर उत्तर विधायक पुरन्दर मिश्र और धरसींवा विधायक अनुज शर्मा ने भी संबोधित किया। विशेषज्ञ वक्ता शिक्षाविद आचार्य डॉ महेश चन्द्र शर्मा ने आचार्य चाणक्य के व्यक्तित्व और कृतित्व पर प्रेरक वक्तव्य दिया। डॉ.शर्मा ने उनके राष्ट्रप्रेम, सादा जीवन उच्च विचार, जैसे के साथ जैसा व्यवहार और चरित्रवान, धार्मिक और देश प्रेमी शासक सम्बन्धित विचारों को रेखांकित किया। मुख्य अतिथि और आयोजकों ने शॉल, पुष्पगुच्छ और स्मृति चिन्ह भेंट कर आचार्य डॉ महेश चन्द्र शर्मा को सम्मानित किया।

हिन्दी ग्रन्थ अकादमी के पूर्व संचालक एवं वरिष्ठ पत्रकार शशांक शर्मा ने चाणक्य के जीवन और नीतियों पर विस्तार से प्रकाश डाला।

अयोध्या में श्रीराम की प्राण प्रतिष्ठा

खुर्सीपार के दुर्गा मंदिर में पूर्व मंत्री प्रेम प्रकाश पाण्डेय ने साफ-सफाई

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। अयोध्या में श्रीराम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा समारोह के पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंदिरों में स्वच्छता अभियान चलाकर श्रमदान करने देशवासियों से आह्वान किया था। इसी क्रम में आज प्रदेश के पूर्व केबिनेट मंत्री प्रेमप्रकाश पाण्डेय ने खुर्सीपार दुर्गा मंदिर में साफ-सफाई की एवं श्रमदान किया। उन्होंने आमजनों से आह्वान किया कि वे सभी इस पुनीत कार्य में सहभागी बनें एवं अपने घरों के आसपास के मंदिरों में साफ-सफाई अवश्य करें।

श्री पाण्डेय ने कहा कि 22 जनवरी देशवासियों के लिए सौभाग्य का दिन है। इस दिन रामलला भव्य मंदिर में विराजमान होने जा रहे हैं। पूरे विश्व में यह दिन दीपोत्सव के रूप में मनाया जाएगा। तत्पश्चात श्री पाण्डेय ने खुर्सीपार में 2024 के लोकसभा चुनाव के मद्देनजर भारतीय जनता पार्टी के दीवार लेखन अभियान में भाग लिया।

उन्होंने दीवार पर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) का चुनाव चिन्ह कमल का फूल बनाया और उसके नीचे नारा लिखा, ''फिर एक बार मोदी सरकार। श्री पाण्डेय ने कहा कि इस अभियान को भी 'विकसित भारत संकल्प यात्रा' की तरह सफलता की नई ऊंचाइयों पर पहुंचाना है। श्री पाण्डेय आज राम जन्मभूमि अयोध्या से पूजित अक्षत कलश के साथ यात्रा में शामिल हुए। जहां उन्होंने खुर्सीपार क्षेत्र का भ्रमण करते हुए सभी श्रद्धालुओं को अयोध्या का निमंत्रण दिया। कलश यात्रा के दौरान जय श्री राम से क्षेत्र गुंजायमान होता रहा।

उन्होंने कहा कि 22 जनवरी को अयोध्या में भगवान राम मंदिर का प्राण प्रतिष्ठा है। इस मौके पर सभी भक्त अपने घर व मंदिरों में दीया से भव्य रूप से सजावट करें और इस दिन को भव्य उत्सव के रूप में मनाएं।

अब कोचिंग संस्कृति पर गिरेगी गाज

श्रीकंचनपथ

इस सरकार की नजर उन सभी संस्थानों पर है जो बिना कोई जिम्मेदारी लिये, अकूत कमाई कर रहे हैं। इन्हीं में से एक कारोबार है कोचिंग का। न जाने स्कूली शिक्षा के पाठ्यक्रम में ऐसा क्या है कि प्रत्येक प्रतियोगिता के लिए अलग से कोचिंग करनी पड़ती है। धीरे-धीरे आगे बढ़ते हुए कोचिंग संस्थान आज एक ऐसे मुकाम पर पहुंच गए हैं जहां उनके आगे औपचारिक शिक्षण संस्थान बौने लगने लगे हैं। कोचिंग की कक्षाएं सुबह से ही प्रारंभ हो जाती हैं जिसके कारण हाई स्कूलों में भी विद्यार्थियों की उपस्थिति प्रभावित हो रही है। कॉलेजों की हालत तो पहले ही खराब है। अनेक निजी महाविद्यालय इन्हीं कोचिंग संस्थानों से बच्चों के नाम उधार मांग कर लाते हैं और उन्हें अपने यहां दर्ज दिखाते हैं। यह चल इसीलिए रहा है कि अभी भी लोग नियमित औपचारिक शिक्षण को महत्वपूर्ण मानते हैं। कोई भी विद्यार्थी एक ही समय पर दो जगह उपस्थित नहीं रह सकता। इसलिए ऐसे कालेज भी धड़ल्ले से चल रहे हैं जिनके पास सुविधा तो कोई नहीं है पर सैकड़ों की संख्या में विद्यार्थी दर्ज हैं। दरअसल, ये बच्चे कालेज कभी आते ही नहीं। कालेज प्रबंधन केवल उनके नियमित विद्यार्थी होने की आवश्यकता पूरा करता है। इस धांधली के चलते औपचारिक शिक्षा के समानांतर एक ऐसी शिक्षा व्यवस्था स्थापित हो गई है जो सरकार के काबू में नहीं है। न तो इन संस्थानों में सरकार द्वारा प्रस्तावित कार्यक्रम होते हैं और न ही यहां पाठ्यक्रमेत्तर क्रियाकलाप होते हैं। नतीजा यह निकलता है कि बच्चा केवल किताबी कीड़ा बनकर रह जाता है और उसमें वह परिपक्वता नहीं आ पाती जो उसे एक नियमित हाईस्कूल या कालेज का जीवन दे सकता है। सरकार ने इसे गंभीरता से लिया है और 99।99 प्रतिशत की होड़ को खत्म करने का फैसला किया है। उसकी शुरुआत 10वीं तक के विद्यार्थियों की कोचिंग संस्थानों में एंट्री रोकने के साथ की जा रही है। अब कोचिंग संस्थान ऐसे विद्यार्थियों को कोचिंग में भर्ती नहीं कर पाएंगे जिनकी उम्र 16 साल से कम हो। बच्चों ने 10वीं का पड़ाव बिना कोचिंग के पार कर लिया तो संभावना यही है कि वह आगे भी स्वाध्याय के लिए प्रेरित होगा। इससे उन पालकों को भी बड़ी राहत मिलेगी जो बच्चों की जिद के आगे नतमस्तक हो जाते हैं और स्कूल की मोटी फीस भरने के बाद कोचिंग वालों की भी मुट्ठी गर्म करने को विवश होते हैं। इसके साथ ही बच्चों के पास खेलकूद और स्वाध्याय के लिए वक्त होगा तो वह बेहतर विद्यार्थी बनकर सामने आएंगे। हालत यह है कि रट-रटाकर वे चोटी के संस्थानों में प्रवेश तो पा जाते हैं पर निकल नहीं पाते। आज भी सफलता केवल उन्हीं को मिलती है, जिनमें मेधा होती है। कोचिंग संस्थान ऐसे सफल विद्यार्थियों की फोटो लगाकर अपना प्रचार करते हैं। सरकार ने इसे शिक्षण में कदाचार माना है और ऐसे विज्ञापनों पर भी रोक लगा दी है।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950